साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 135 | जौनपुर, शुक्रवार, 03 जनवरी 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त समाचार

अपने हिस्से का पैसा नहीं दे रही दिल्ली सरकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में चुनावी हलचल के बीच केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि मैं आपसे वादा करता हूं कि आने वाले दो साल में 1 लाख करोड़ रुपये के काम होंगे, पूरी दिल्ली की तस्वीर बदल जाएगी। उन्होंने कहा कि नमामि गंगे योजना के तहत, हमारे पास यमुना को साफ करने के लिए कुछ योजनाएं हैं, हम सीवेज के पानी को यमुना में जाने से रोकने के लिए काम कर रहे हैं। लेकिन, चूंकि दिल्ली सरकार परियोजनाओं के लिए अपने हिस्से का पैसा नहीं दे रही है, इसलिए कुछ काम अभी बाकी हैं। नितिन गडकरी ने कहा कि वायु प्रदूषण और यातायात की समस्या के कारण दिल्ली को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पीएम मोदी के नेतृत्व में दिल्ली को प्रदूषण और जाम से मुक्ति दिलाने के लिए सड़क एवं परिवहन मंत्रालय कई परियोजनाओं पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम 65,0000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं, जिनमें से 33,000 करोड़ रुपये का काम पहले ही पूरा हो चुका है और आने वाले वर्ष में हम 32,000 करोड़ रुपये का बचा हुआ काम पूरा कर लेंगे। जैसा कि दिल्ली आगामी विधानसभा चुनावों के लिए तैयार हो रही है, सभी सात भाजपा सांसदों ने प्रस्तावित सड़क परियोजनाओं पर चर्चा करने के लिए बुधवार को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। उनका एजेंडा परियोजनाओं का एक सेट प्राप्त करना है जो राष्ट्रीय राजधानी में यातायात की भीड़ और प्रदूषण को संबोधित करेगा।

पीजी करने के बाद वापस ही नहीं लौटे 31 डाक्टरों से सरकार करेगी वसूली

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सरकारी अस्पतालों के चिकित्सकों को सरकार यह सुविधा देती है कि यदि वह मेडिकल में पोस्ट ग्रेजुएट की पढ़ाई करना चाहते हैं तो वह छुट्टी लेकर पढ़ाई कर सकते हैं। मगर नियमानुसार पढ़ाई करने के बाद इन्हें अपनी सेवाएं फिर से जारी करनी पड़ती है। कई चिकित्सक समय–सयम पर इस नियम का फायदा भी उठाते हैं ,लेकिन अबकी बार 31 चिकित्सक स्नातकोत्तर (पीजी) की पढ़ाई करने के बाद दोबारा ड्यूटी पर वापस नहीं लौटे हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से नोटिस दिए जाने के बावजूद इन्होंने उसका जवाब भी नहीं दिया। ऐसे में अब इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। जल्द इन्हें आरोप पत्र थमाया जाएगा और फिर भरवाए गए बांड को तोड़ने के कारण एक–एक करोड़ रुपये की वसूली की जाएगी। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। एमबीबीएस चिकित्सकों को पांच साल की सेवा पूरी करने पर एमडी व एमएस इत्यादि पीजी कोर्सेज की पढ़ाई का अवसर दिया जाता है, ताकि विशेष चिकित्सकों की कमी न हो। ऐसे में नीट–पीजी प्रवेश में इन्हें 30 अंकों का वेटेज भी दिया जाता है। वरना पीजी में प्रवेश पाना इतना आसान नहीं होता। इन सरकारी डाक्टरों ने इसका लाभ लेकर दाखिला तो ले लिया। , लेकिन पढ़ाई पूरी करने के बाद सेवाएं देने नहीं आए।

गढ़चिरौली में 11 नक्सलियों का आत्मसमर्पण, पीएम मोदी ने की महाराष्ट्र सरकार की सराहना

मुबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के दूरदराज और माओवाद प्रभावित क्षेत्रों विकास लाने के लिए राज्य सरकार पूरे सकारात्मक प्रयास करने में जुटी हुई है। इन प्रयासों की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को सराहना की है। पीएम मोदी ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा उठाए जा रहे प्रयासों की तारीफ की है। यह घटना महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में एक करोड़ रुपये से अधिक के इनामी 11 नक्सलियों द्वारा पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने के बाद घटित हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने स्थानीय लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस घटना से निश्चित रूप से श्जीवन की सुगमताश बढ़ेगी और क्षेत्र में और अधिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, मैं दूरदराज और माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने के लिए महाराष्ट्र सरकार के प्रयासों की सराहना करता हूं। इससे निश्चित रूप से श्जीवन की सुगमताश बढ़ेगी और और भी अधिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। गढ़चिरौली और आसपास के क्षेत्रों के मेरे बहनों और भाइयों को विशेष बधाई! बुधवार को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में एक करोड़ रुपये के इनामी नक्सली विमला चंद्र सिडाम उर्फ घ्ष्तारक्का समेत 11 नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। गढ़चिरौली पुलिस मुख्यालय में 8 महिलाओं और 3 पुरुषों समेत 11 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इन सभी पर 1 करोड़ रुपए से ज़्यादा का इनाम था। इसके अलावा छत्तीसगढ़ सरकार ने भी इन पर इनाम घोषित कर रखा था। आत्मसमर्पण करने वालों में दंडकारण्य जोनल कमेटी के प्रमुख और भूपति की पत्नी तारक्का सिदाम भी शामिल थीं, जो 34 साल से नक्सलवाद में शामिल थे। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में तीन डिवीजन कमेटी सदस्य, एक डिप्टी कमांडर और दो एरिया कमेटी सदस्य शामिल थे। इनमें से प्रत्येक को नए जीवन के लिए 86 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई। आत्मसमर्पण के समय मौजूद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य से नक्सलवाद का शीघ्र ही उन्मूलन हो जाएगा। मुख्यमंत्री फडणवीस ने गढ़चिरौली में पेनगुंडा पुलिस सहायता केंद्र का भी दौरा किया। एएनआई से बात करते हुए, सीएम फडणवीस ने गढ़चिरौली क्षेत्र के परिवर्तन पर प्रकाश डालते हुए कहा, गढ़चिरौली का यह क्षेत्र, जहां हम खड़े हैं।

मनोज तिवारी का बड़ा आरोप, केजरीवाल की कठपुतली हैं आतिशी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी सांसद मनोज तिवारी ने आम आदमी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री आतिशी आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की कठपुतली मात्र हैं क्योंकि वह उन्हें रिमोट की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने यह भी सवाल किया कि आम आदमी पार्टी ने अपने कार्यकाल में कितने मंदिर बनवाये। तिवारी ने कहा कि आतिशी की आजकल कोई नहीं सुन रहा है, वह सिर्फ अरविंद केजरीवाल की कठपुतली हैं, वह उन्हें रिमोट की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि अरविंद केजरीवाल 10 साल तक सत्ता में रहे, उन्होंने कितने मंदिर बनवाए? हम वो हैं जो मंदिर बनाते हैं। उन्होंने कहा किअगर अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी में थोड़ी सी भी नैतिकता बची है...तो गिनें कि आपने अब तक मौलवियों को कितना भुगतान किया है और पुजारियों को भी उतना ही भुगतान करें... तो हम आपके पक्ष में होंगे। उन्होंने कहा कि हम विकास में विश्वास करते हैं। लेकिन दुर्भाग्य से हम प्रतिकूल परिस्थिति में विकास कर रहे हैं। दिल्ली में श्झूठ और लूटश पर आधारित सरकार है। इससे पहले, आतिशी ने बीजेपी पर आरोप लगाया कि वह हिंदू धर्म की रक्षा का दिखावा कर रही है, जबकि अधिकारियों और एलजी को गुप्त रूप से मंदिरों को नष्ट करने का निर्देश दे रही है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए आतिशी ने कहा कि ऐसे आदेशों से बीजेपी का दोहरा चेहरा सामने आता है।

अमित मालवीय और मनोज तिवारी को आप सासंद संजय सिंह ने भेजा कानूनी नोटिस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने गुरुवार को बीजेपी के सोशल मीडिया प्रमुख अमित मालवीय और सांसद मनोज तिवारी को कानूनी नोटिस भेजा। अमित मालवीय और मनोज तिवारी ने संजय सिंह पर एक से अधिक वोटर आईडी कार्ड रखने का आरोप लगाया था। इससे पहले आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि मेरी पत्नी ने 4 जनवरी को अपना नाम वहां से हटाने के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय, सुल्तानपुर में एक आवेदन दायर किया है। मेरी मां और मेरे पिता का नाम मतदाता सूची में है– उनके अलावा, न तो मेरी पत्नी और न ही मेरा नाम मतदाता सूची में है। इससे पहले दिल्ली बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि 2018 में जब संजय सिंह राज्यसभा पहुंचे तो उन्होंने अपने हलफनामे में बताया कि उनका वोट हरि नगर विध्ाानसभा में दर्ज है। वहीं, सुल्तानपुर नगर पालिका की मतदाता सूची में उनका और उनके परिवार का नाम शामिल है। आगामी चुनाव के लिए उनका नाम नई दिल्ली और तिलक नगर विधानसभा की मतदाता सूची में भी दर्ज है। उन्होंने कहा कि 2018 में जब संजय सिंह राज्यसभा पहुंचे तो उन्होंने अपने हलफनामे में बताया कि उनका वोट हरि नगर विधानसभा में दर्ज है। उन्होंने कहा कि वहीं, सुल्तानपुर नगर पालिका की मतदाता सूची में उनका और उनके परिवार का नाम शामिल है। आगामी चुनाव के लिए उनका नाम नई दिल्ली और तिलक नगर विधानसभा की मतदाता सूची में भी दर्ज है। भाजपा नेता ने कहा कि चुनाव आयोग और दिल्ली पुलिस को इस पर संज्ञान लेना चाहिए। 4 जनवरी 2024 को अनीता सिंह ने दावा किया था कि उनका वोट सुल्तानपुर विधानसभा से काटा गया है। 8 जनवरी 2024 को उन्होंने एक हलफनामा दिया जिसमें उन्होंने बताया कि उनका वोट सुल्तानपुर विधानसभा में दर्ज है।

कृषि कानूनों को पिछले दरवाजे से दोबारा लागू करने की तैयारी में केंद्र : केजरीवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि अगर पंजाब में प्रदर्शनकारी किसानों को कुछ हुआ तो भाजपा जिम्मेदार होगी। आपको बता दें कि पंजाब के किसान एमएसपी पर कानूनी गारंटी समेत कई मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन उपवास पर हैं। केजरीवाल ने एक्स पर लिखा कि पंजाब में किसान कई दिनों से धरने और अनिश्चित अनशन पर बैठे हैं। इनकी वही मांगे हैं जो केंद्र सरकार ने तीन साल पहले मान ली थी लेकिन अभी तक लागू नहीं की। केजरीवाल ने दावा किया कि बीजेपी सरकार अब अपने वादे से मुकर गई। बीजेपी सरकार किसानों से बात तक नहीं कर रही। उनसे बात तो करो। हमारे ही देश के किसान हैं। उन्होंने सवाल किया कि बीजेपी को इतना ज़्यादा अहंकार क्यों है कि किसी से बात भी नहीं करते? उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पंजाब में जो किसान अनिश्चित अनशन पर बैठे हैं, भगवान उन्हें सलामत रखें लेकिन यदि उन्हें कुछ होता है तो इसके लिए बीजेपी जिम्मेदार होगी। आप प्रमुख ने कहा कि देशभर के किसानों की जानकारी के लिए मैं बता दूँ कि जो तीन काले कानून केंद्र ने तीन साल पहले किसानों के आंदोलन की वजह से वापिस लिए थे, उन्हें "पालिसी" कहकर केंद्र सरकार पिछले दरवाजे से दोबारा लागू करने की तैयारी कर रही है। इस पालिसी की कॉपी उनके विचार जानने के लिए केंद्र ने सभी राज्यों को भेजी है। वहीं, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली की आप सरकार पर किसानों के कल्याण की अनदेखी करने का आरोप लगाया। इसको लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री आतिशी को पत्र भी लिखा है जिसमें मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजध ानी में लोग केंद्र द्वारा योजनाओं के कार्यान्वयन न होने से परेशान और चिंतित हैं। शिवराज ने पत्र में कहा कि मैं बहुत दुःख के साथ आपको यह पत्र लिख रहा हूँ। आपने कभी भी दिल्ली में किसानों के हित में उचित निर्णय नहीं लिए। केंद्र सरकार की किसान हितैषी योजनाओं को भी आपकी सरकार ने दिल्ली में लागू होने से रोक दिया है। भाजपा नेता ने आगे कहा कि आपकी सरकार को किसानों से कोई सहानुभूति नहीं है। आज दिल्ली के किसान परेशान और चिंतित हैं। केंद्र की कई किसान कल्याण योजनाओं को दिल्ली सरकार द्वारा लागू न करने के कारण किसान भाई–बहन इन योजनाओं के लाभ से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैंने पहले भी आपको पत्र लिखकर दिल्ली के किसानों की समस्याओं से अवगत कराया था, लेकिन चिंता की बात है कि आपकी सरकार ने इन समस्याओं का समाधान नहीं किया है। शिवराज सिंह चौहान ने साफ तौर पर कहा कि केजरीवाल ने सरकार में आते ही जनहितैषी निर्णयों को लेने के स्थान पर अपना रोना रोया है। उन्होंने कहा कि मैंने पहले भी आपको पत्र लिखकर दिल्ली के किसानों की समस्याओं से अवगत कराया था, लेकिन चिंता की बात है कि आपकी सरकार ने इन समस्याओं का समाधान नहीं किया है। आप प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने पलटवार करते हुए कहा कि हमें शिवराज सिंह चौहान से यह उम्मीद नहीं थी। देश में किसान समस्याओं का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने वादा किया था कि किसानों की आय दोगुनी हो जाएगी, लेकिन कुछ नहीं हुआ। बीजेपी को जिम्मेदारी से काम करना चाहिए और उन्हें देश के नागरिकों से बात करनी चाहिए।

दिल्ली सरकार ने किसानों के साथ किया धोखा शिवराज ने आतिशी को लिखा पत्र आप ने दिया जवाब

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली की आप सरकार पर किसानों के कल्याण की अनदेखी करने का आरोप लगाया। इसको लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री आतिशी को पत्र भी लिखा है जिसमें मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में लोग केंद्र द्वारा योजनाओं के कार्यान्वयन न होने से परेशान और चिंतित हैं। शिवराज ने पत्र में कहा कि मैं बहुत दुःख के साथ आपको यह पत्र लिख रहा हूँ। आपने कभी भी दिल्ली में किसानों के हित में उचित निर्णय नहीं लिए। केंद्र सरकार की किसान हितैषी योजनाओं को भी आपकी सरकार ने दिल्ली में लागू होने से रोक दिया है। भाजपा नेता ने आगे कहा कि आपकी सरकार को किसानों से कोई सहानुभूति नहीं है। आज दिल्ली के किसान परेशान और चिंतित हैं। केंद्र की कई किसान कल्याण योजनाओं को दिल्ली सरकार द्वारा लागू न करने के कारण किसान भाई–बहन इन योजनाओं के लाभ से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैंने पहले भी आपको पत्र लिखकर दिल्ली के किसानों की समस्याओं से अवगत कराया था, लेकिन चिंता की बात है कि आपकी सरकार ने इन समस्याओं का समाधान नहीं किया है। शिवराज सिंह चौहान ने साफ तौर पर कहा कि केजरीवाल ने सरकार में आते ही जनहितैषी निर्णयों को लेने के स्थान पर अपना रोना रोया है। 10 वर्षों से दिल्ली में आप की सरकार है, लेकिन पूर्व सीएम केजरीवाल ने हमेशा किसानों के साथ केवल धोखा किया है। उन्होंने कहा कि मैंने पहले भी आपको पत्र लिखकर दिल्ली के किसानों की समस्याओं से अवगत कराया था, लेकिन चिंता की बात है कि आपकी सरकार ने इन समस्याओं का समाधान नहीं किया है। आप प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने पलटवार करते हुए कहा कि हमें शिवराज सिंह चौहान से यह उम्मीद नहीं थी। देश में किसान समस्याओं का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने वादा किया था कि किसानों की आय दोगुनी हो जाएगी, लेकिन कुछ नहीं हुआ। बीजेपी को जिम्मेदारी से काम करना चाहिए और उन्हें देश के नागरिकों से बात करनी चाहिए।

लालू यादव ने नीतीश के लिए फिर खोला दरवाजा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजद सुप्रीमो लालू यादव के एक बयान से बिहार की राजनीति में बवाल मच गया है। लालू ने कहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए उनके दरवाजे खुले हैं और वह चाहें तो उनके साथ आ सकते हैं। वहीं, सीएम नीतीश कुमार ने लालू के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, श्आप क्या कह रहे हैं, छोड़िए।

जेडीयू नेता विजय चौधरी ने भी लालू के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि हमारी पार्टी में कोई भ्रम नहीं है, पार्टी और मुख्यमंत्री का स्टैंड साफ है कि हम एनडीए में हैं और एनडीए में ही रहेंगे। वहीं, लालू के बेटे और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए अपने पिता से अलग रुख दिखाया है। तेजस्वी यादव ने बुध ावार को दावा किया कि नए साल में बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की विदाई तय है।

उन्होंने कहा कि नए साल में मेरे चाचा नीतीश कुमार को सत्ता से बाहर कर दिया जाएगा। वह 20 साल से सत्ता में हैं। अगर एक ही फसल इतने लंबे समय तक बोई जाए तो मिट्टी बर्बाद हो जाती है। इसलिए, नीतीश जी और राजग के जाने का समय आ गया है। नए साल के मौके पर राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने नीतीश कुमार को फिर से अपने साथ आने का ऑफर दिया है।

लालू यादव ने कहा है कि नीतीश कुमार के लिए राजद के दरवाजे खुले हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नीतीश कुमार को भी अपने दरवाजे खुले रखने चाहिए। इतना ही नहीं, लालू ने यहां तक घ्घ्कह दिया कि नीतीश कुमार भले ही भाग जाएं लेकिन हमने उन्हें माफ कर दिया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को माफ करना उनका कर्तव्य है।

मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में नीतीश को लेकर राजद में असमंजस की स्थिति है. एक तरफ लालू ने नीतीश कुमार को साथ आने का ऑफर दिया है तो दूसरी तरफ तेजस्वी उन पर निशाना साध रहे हैं। तेजस्वी ने कहा है कि 2025 नीतीश कुमार के लिए अलविदा साल साबित होगा और नए साल में बिहार में नई सरकार बनेगी। उन्होंने नीतीश कुमार को थका हुआ नेता बताते हुए कहा कि श्वह थक चुके हैं।

ट्रेंलब्लेजर्स इन्सपाइरिंग वोमेन ऑफ इंडिया – डॉ सोनम झा, असिस्टेंट प्रोफेसर पूर्वांचल विश्वविद्यालय

दैनिक देश की उपासना ब्यूरो

जौनपुर। वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर अप्लिकेशन विभाग द्वारा लिखित, ऑरेंज पब्लिकेशन्स द्वारा प्रकाशित पुस्तक का विमोचन प्रो वंदना सिंह कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा किया गया, इस पुस्तक में रानी दूर्गावती, मैत्रेयी, गार्गी वाचकनवी, चॉद बीबी, अहिल्याबाई, रजिया सुल्तान, मीराबाई, इंदरा गॉधी, कल्पना चावला, मैरी कॉम, किरण बेदी एवं मदर टेरेसा जैसी महान विभूतियों के जीवन चरित्र एवं संघर्षों को वर्णित किया गया है, जो आज की पीढ़ी को सशक्त बनाने में कारगर साबित होगी और सशक्त समाज में नारी के योगदान को बढ़ावा देगी।संकायाध्यक्ष प्रो सौरभ पाल, विभागाध्यक्ष प्रो नूपुर गोयल, डॉ विकास चौरसिया,रिचा सिंह, प्रियंका जायसवाल उपस्थित रहे।

किसानों की चिंताओं पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से किया सवाल, डल्लेवाल के स्वास्थ्य पर की पंजाब सरकार की खिंचाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई की, जिसका प्रतिनिधित्व गुनिंदर कौर गिल ने किया, जिसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की निश्चित गारंटी की मांग सहित चल रहे किसान विरोध द्वारा उठाए गए व्यापक मुद्दों में अदालत के हस्तक्षेप की मांग की गई थी। आज की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने मौखिक रूप से पूछा कि केंद्र सरकार ने किसानों की वास्तविक शिकायतों को दूर करने की इच्छा क्यों नहीं जताई। जस्टिस सूर्यकांत और उज्जल भुइयां की बेंच ने मामले की सुनवाई की. केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने स्वीकार किया कि वह याचिका के विवरण से अनजान थे। हालाँकि, न्यायमूर्ति भुइयां ने मेहता से पूछा कि केंद्र सरकार ने किसानों की शिकायतों को सुनने और बातचीत में शामिल होने की इच्छा क्यों नहीं व्यक्त की। मेहता ने बताया कि केंद्र सरकार ने याचिका में उठाए गए मुद्दों पर चर्चा के लिए पहले ही एक समिति गठित कर दी है। हालाँकि, न्यायमूर्ति भुइयां ने इसे चुनौती देते हुए सुझाव दिया कि सरकार को भी सार्वजनिक रूप से किसानों के साथ बातचीत के लिए अपने खुलेपन की घोषणा करनी चाहिए। जस्टिस भुइयां ने आगे सवाल किया केंद्र सरकार भी यह बयान क्यों नहीं दे सकती कि उनके दरवाजे किसानों के लिए खुले हैं? न्यायमूर्ति कांत ने याचिकाकर्ता गुनिन्दर कौर गिल को किसानों के साथ बातचीत के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति से संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उनसे टकराव के बजाय रचनात्मक जुड़ाव पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया गया। न्यायमूर्ति कांत ने समिति की तटस्थता पर भी प्रकाश डाला, जिसमें सकारात्मक बातचीत के अवसर के रूप में पंजाब और हरियाणा के कृषि विशेषज्ञ शामिल हैं। न्यायमूर्ति कांत ने गिल से कहा कि कुछ सोचो। आइए हम टकराव के साथ न जाएं। मैडम गिल, आप एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। समिति पर विचार करें, जिसमें मजबूत कृषि जड़ों वाले एक पूर्व न्यायाधीश के साथ–साथ पंजाब और हरियाणा के विशेषज्ञ भी शामिल हैं। जैसे कि कृषि अर्थशास्त्री, ये तटस्थ, विद्वान व्यक्ति हैं जिनकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं है, टकराव के दृष्टिकोण के बजाय बातचीत के लिए इस मंच का उपयोग क्यों न करें?

संपादकीय

चुनौतियां बेशुमार

यूं तो नया या पुराना साल एक समय चक्र मात्र है और देश के सामने समस्याएं व चुनौतियां हर दौर में रही हैं। लेकिन हम समय की एक इकाई में अपनी समस्याओं को दूर करने के लक्ष्य निर्धारित कर निराकरण का प्रयास करते हैं। कमोबेश वर्ष 2025 को लेकर भी यही स्थिति रहने वाली हैं। हालांकि महंगाई, बेरोजगारी तथा गरीबी सर्वकालिक व सर्वदेशीय समस्याएं रही हैं, फर्क है तो यही कि सत्ताधीश इन चुनौतियों का मुकाबला कैसे करते हैं। जैसे–जैसे बीता साल पूर्णता की ओर बढ़ रहा था, देश को लेकर राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में कुछ सकारात्मक तो कुछ चिंता बढ़ाने वाली खबरें वातावरण में तैर रही थीं। हालांकि, बांग्लादेश का राजनीतिक घटनाक्रम व अल्पसंख्यकों पर ज्यादती की खबरें विचलित करने वाली थी। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बांग्लादेश में जिस सत्ताधीश के विरोध में सत्ता पलट हुआ,उस सत्ता की सूत्रधार को भारत ने शरण दी। दरअसल, भारतीय उपमहाद्वीप के देशों में तार्किक के बजाय भावनात्मक मुद्दे राजनीतिक विमर्श पर हावी रहे हैं। हालांकि, अच्छी बात यह है कि दशकों से जारी एलएसी विवाद सिमटता नजर आया। जिससे चीन से बिगड़े रिश्ते पटरी पर आने की उम्मीद जगी। जिसके मूल में अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम भी है, लेकिन सुखद है कि एशिया की बड़ी महाशक्ति से संबंधों में सुधार आया। बाकी इस माह डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति का पदभार संभालने के बाद भारत की विदेश नीति दशा–दिशा तय करती नजर आएगी। जहां तक देश के घरेलू मोर्चे का सवाल है तो आर्थिक सुस्ती सत्ताधीशों की चिंताओं का विषय होनी चाहिए। वर्ष 2024–25 की दूसरी तिमाही में आर्थिक विकास दर 5.4 फीसदी रहना चिंता का सबब बनी, क्योंकि यह विकास दर पिछली सात तिमाहियों के सबसे निचले स्तर पर है। हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि बीता वर्ष आम चुनावों व कई बड़े राज्यों में चुनाव का साल था, जिसमें भारी मात्रा में अनुत्पादक सरकारी खर्च हुआ है। जो कहीं न कहीं देश की विकास दर को प्रभावित करता है। बहरहाल, इसके बावजूद केंद्र सरकार विकास दर व मंदी की आहट को लेकर चिंतित नजर नहीं आती तो उसकी वजह है कि भारत की यह विकास दर भी दुनिया की तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से अधिक है। आर्थिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि वर्ष 2024–25 की तीसरी व चौथी तिमाही में विकास दर के तेज रहने के आसार हैं। जैसा कि केंद्रीय बैंक का अनुमान है कि आगामी वित्तीय वर्ष में देश की आर्थिक विकास दर 6.6 फीसदी रहेगी। जिसके आधार पर विभिन्न रेटिंग एजेंसियां व आईएमएफ अनुमान लगा रहा है कि इस साल भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। लेकिन यह विचारणीय प्रश्न यह है कि कुलांचें भरते शेयर बाजार और बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल करते देश में एक आम आदमी के जीवन में धनात्मक वृद्धि नजर क्यों नहीं आ रही है? सवाल यह भी है कि यदि देश की अर्थव्यवस्था के मजबूत होने के दावे किए जा रहे हैं तो क्या देश में गरीबी, कुपोषण, असमानता की समस्या खत्म हो रही है? क्या स्वास्थ्य सेवाओं में अपेक्षित सुधार हो रहा है? सवाल यह भी कि क्या पर्याप्त रोजगार के अभाव में होने वाला विकास तार्किकता की कसौटी पर खरा उतर रहा है? क्यों शहरी व ग्रामीण बेरोजगारी दर में इजाफा हो रहा है? आखिर क्यों राजनीतिक लाभ–हानि के गणित से परे संवेदनशील ढंग से बेरोजगारी की समस्या के समाधान के गंभीर प्रयास होते नजर नहीं आते? जब हम यह कहते नहीं थकते कि देश दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं का देश है तो क्या हम इन युवा हाथों को उनकी योग्यता व क्षमता के अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध करा पा रहे हैं? आखिर क्यों देश में युवाओं का तेजी से पलायन हो रहा है? क्यों वे छोटी–मोटी नौकरियों के लिये विदेश जाने की होड़ में लगे हैं? क्यों अपनी योग्यता से कम की नौकरी करने को मजबूर हैं? देश के नेताओं को गाल बजाने की बजाय आम आदमी को परेशान करने वाली कृत्रिम महंगाई, सामाजिक असुरक्षा तथा बेरोजगारी जैसे मुद्दों से निबटने के लिये दूरगामी नीतियों के क्रियान्वयन के प्रयास करने चाहिए।

आर्थिक मंदी की आहट कीजिए महसूस

सुबीर

लगता है भारतीय अर्थव्यवस्था धीमी गति से नीचे की ओर जा रही हैदृ 2024–25 में आर्थिक वृद्धि दर 7 प्रतिशत रहने के पिछले अनुमान की बनिस्बत अब इसे 6.4 प्रतिशत बताया जा रहा है। बहुत से वैश्विक विश्लेषकों का कहना है कि अगले वित्तीय वर्ष में भी रफ्तार यही बनी रहने की उम्मीद है। स्पष्ट है हमारी अर्थव्यवस्था स्पष्ट रूप से शिथिलता की ओर जा रही है। यद्यपि धीमी चाल पर भी, भारतीय अर्थव्यवस्था की गति अधिकांश अन्य बड़े देशों की तुलना में अधिक रहेगी। तभी तो, इस मंदी से नेतृत्व को इतनी चिंता नहीं हो रही है क्योंकि यह अभी भी स्थायित्व वाले स्तर पर बनी रहेगी। लेकिन मंदी का कारण और उसका उपाय खोजना महत्वपूर्ण है क्योंकि लोगों का एक बड़ा वर्ग अभी भी बहुत गरीब है। इससे भी खराब यह कि अमीर–गरीब की आय में बहुत अंतर है, केवल एक छोटा वर्ग ही देश की उच्च अर्थव्यवस्था के फल का लाभ उठा रहा है। वर्ष 2022–23 में, भारत की सकल राष्ट्रीय आय का 22.6 प्रतिशत अंश आबादी के शीर्ष एक फीसदी अमीरों के हाथ गया। इसके अलावा, ग्रामीण–शहरी अंतर भी है। ग्रामीण भारत में जरूरत की चीजों पर खर्च प्रति व्यक्ति 3,773 रुपये था, जबकि शहरी भारत में यह 6,459 रुपये रहा। इस प्रकार, अर्थव्यवस्था में शहरी उपभोग का ही अधिक महत्व है। मंदी का मुख्य कारण अपर्याप्त क्रय–शक्ति है। शहरी मध्यम वर्ग पर यह कारक विशेष रूप से लागू है, जो कि समग्र मांग का मुख्य प्रेरक है। इसके परिणामस्वरूप उपभोग आधारित उत्पादक कारोबार में सुस्ती आएगी। ये पूरे वेग से आगे नहीं बढ़ पाएंगे। लिहाजा, कंपनियां कम कर्मचारियों को काम पर रखेंगी। इससे मांग में आगे कमी बनेगी और सकल उपभोग में मंदी बढ़ेगी। ग्रामीण भारत में, स्थिति और भी बदतर है। आजीविका चलाने के लिए, पुरुषों की कमाई अपर्याप्त होने के चलते गांवों के परिवारों की महिलाओं को काम करना पड़ता है। लेकिन, वास्तव में, यह महिलाएं किसी कंपनी या कारखाने में नहीं, बल्कि खेतों में काम कर रही हैं। इसलिए, एक फैक्टरी मजदूर जितनी आय भी उनकी नहीं है। उच्च विकास दर दो ताकतों– विनिर्माण और सेवाओं के बढ़ने से बनती है। लेकिन जैसा कि पहले बताया गया है, अब तक मजबूत रहे विनिर्माण क्षेत्र में भी मंदी जारी है। अगर ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं खेतों में काम की बजाय कारखानों में जातीं, तो व्यापक आधार पर विकास होता। उद्योगों एवं सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में बहुत अधिक पूंजी निवेश होने से ही उच्च विकास दर संभव हुई थी, इसमें भी, आधारभूत ढांचे में यह वृद्धि अधिक सार्वजनिक निवेश के माध्यम से संभव हुई थी। बेहतर सड़कें, बिजली और रेलवे तंत्र ने उद्योग जगत को आशावादी महसूस करवाया और अधिक विकास हुआ। इससे कार, ट्रक और दोपहिया वाहनों के बाजार में काफी उछाल आया। इसके परिणाम में मध्यम वर्ग के उपभोग व्यय में इजाफा हुआ, खासकर शहरी क्षेत्रों में। किंतु आज यह कारखाने, जो कि ज्यादातर तेजी से बिकने वाले उपभोग के सामान का उत्पादन करते हैं, सुस्त हो रहे हैं। इसलिए, जिस सपने का हम इंतजार कर रहे थे– ग्रामीण क्षेत्रों की अधिक महिलाओं का शहरी क्षेत्रों में कंपनी–कारखानों में अधिक नौकरियां करना– वह फीका पड़ चल रहा है। अब, सेवा क्षेत्र पर नजर डालते हैं, जो उच्च विकास की अवधि के दौरान अत्यधिक मजबूत बनती चली गयी थी। मजबूत खपत ने कारों, दोपहिया वाहनों, टीवी सेट आदि को ठीक करने वालों के लिए अधिक रोजगार का सृजन किया। जैसे–जैसे विनिर्माण में कमी आएगी, सेवा क्षेत्र की उच्च विकास दर में भी मंदी आने की संभावना है। अब बात करने को बचा हमारा निर्यात सेवा क्षेत्र, जो सॉफ्टवेयर इंजीनियरों के कौशल का पर्याय है, और अब यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकसित करते हुए और ऊपरी स्तर छू रहा है। लेकिन यहां भी, एक नकारात्मक प्रभाव आड़े आ रहा हैदृ विदेशी ग्राहक कंपनियां अब आसपास के लोगों से काम लेने को तरजीह देने लगी हैं। विकसित अर्थव्यवस्थाएं आव्रजन के मामले में सख्त होती जा रही हैं, अग्रणी भारतीय सॉफ्टवेयर कंपनियों के लिए

निकटवर्ती क्षेत्र में काम तलाशे जाने की जरूरत बढ़ेगी। विकसित देशों की कंपनियां स्थानीय प्रतिभा को काम देकर अपना खुद का मानव विकास केंद्र बनाना चाहती हैं। उज्ज्वल संकेत यह है कि विकसित देशों की बड़ी कंपनियां भारत में अधिक से अधिक उच्च परिष्कृत वैश्विक विकास केंद्र स्थापित कर रही हैं, जिससे उच्च–स्तरीय इंजीनियरिंग नौकरियों का सृजन हो रहा है। यह कुशल भारतीयों के लिए बहुत अच्छी खबर है, लेकिन इनकी कुल संख्या कम है। इन कंपनियों और राष्ट्र द्वारा सेवाओं का निर्यात एक हकीकत है, लेकिन राष्ट्रीय विकास पर इनका कुल प्रभाव न्यूनतम है। धीमी पड़ती आर्थिक वृद्धि और चुनावों की अनिवार्यताओं के मद्देनजर, सरकार ने महिलाओं को नकद अनुदान देने का फैसला किया है। भले ही यह महिला आधारित अर्थव्यवस्था और उपभोग के लिए मांग को बढ़ावा देने के लिए सकारात्मक हो, लेकिन यह एक स्थायी आर्थिक समाधान नहीं है। शुरुआत करने का सही तरीका कृषि में सुधार करना है। इससे कृषि उत्पादकता बढ़ेगी और कृषि से आय में इजाफा होगा। इससे ग्रामीण क्षेत्र में खपत बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। लेकिन अधिक मशीनीकरण, बेहतर बीज और कृषि पद्धतियों की वजह से कम खेतिहर मजदूरों की आवश्यकता होगी। खेत मजदूरों को कारखानों, निर्माण और शहरी सेवा के माध्यम से शहरी इलाके में रोजगार मिले, ताकि नगरपालिकाएं इन्हें शहरी सूखे कचरे के निपटान जैसी सेवाओं में करने को तैनात कर सकें। लेकिन मुख्य मुद्दा यह है कि कारखाना मालिक को अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने और नई फैक्टरियां लगाने की आवश्यकता कैसे महसूस हो। इसलिए, काफी जरूरत इस बात की है कि भारतीय रिजर्व बैंक ब्याज दरें कम करने और मुद्रा आपूर्ति बढ़ाने के लिए तैयार हो। जाहिर है इसमें मुद्रास्फीति में उछाल का जोखिम रहेगा। अभी के लिए, उम्मीद है कि खरीफ की फसल के विपरीत, जो कि आंशिक रूप से निराश करने वाली रही, रबी की फसल बढ़िया होगी। मुद्रा का अधिक प्रवाह आपूर्ति कारखानों के माल की मांग बढ़ाएगी, जिससे आस बनेगी कि वे अपनी मशीनरी का विस्तार करेंगे और नए संयंत्र स्थापित करेंगे। इससे पूंजीगत वस्तुओं की मांग बढ़ेगी। सरकार द्वारा किए वित्तीय उपायों से, अधिक कीमत वाली वस्तुओं की मांग बढ़ेगी, अधिक रोजगार सृजन होगा, अधिक सड़कें, पुल और बेहतर कार्यशील रेलवे बन पाएंगे। अंत में जो भी हो, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की आवश्यकता है ताकि उच्च मांग से गरीबी में कमी और मध्यम वर्ग की संख्या में वृद्धि हो पाए। लेकिन इस पूरे परिदृश्य में एक पेंच है। अगर जलवायु परिस्थितियां हमें निराश करती हैं, जिससे सूखा, बाढ़ और बेमौसम बारिश बढ़ती फसलों को नुकसान पहुंचे, तो यह सब बेकार चला जाएगा। अगर ऐसा होता है, तो उम्मीद है कि सरकार को अहसास होगा कि कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्रों को स्थापित करना लंबे समय में विनाशकारी है और इसलिए वह सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं पर अधिक ध्यान देगी। यही मुक्ति का मार्ग है।

परवरिश के मानदंडों पर सोचने का वक्त

बलदेव

जिस देश में श्री राम अपने पिता के एक वचन को निभाने के लिए सहर्ष वनवास स्वीकार कर लेते हैं, श्रवण कुमार अपने अंधे माता–पिता को बहंगी में बिठाकर चारों धाम की यात्रा करवाने ले जाते हैं। उसी देश में आज के समय में श्रीनाथ खंडेलवाल जैसे समृद्ध और उच्च कोटि के साहित्यकार को उसकी संतान वृद्धाश्रम में ठोकरें खाने के लिए छोड़ दे और जब उन्होंने गत 28 दिसंबर को प्राण त्यागे तो उन्हें मुखाग्नि देने का समय भी बेटे और बेटी के पास न हो तो३ इसे विडंबना कहेंगे या फिर युग का प्रभाव? यह समाचार पढ़कर किसी का भी हृदय कांप जाए तो उनकी संतान की ऐसी क्या विवशता थी कि उन्हें उनका बुढ़ापा भारी पड़ गया। इस वाकये की वजह से फिल्म 'बागबान' याद आ गई। जिसमें एक पिता की पुस्तक छपने के बाद रॉयल्टी के लालच में उसके चारों बेटे फिर से पिता का सान्निध्य पाना चाहते थे। लेकिन इस घटना में तो 400 से अधिक पुस्तकें छपने और 80 करोड़ की संपत्ति अर्जित कर उसे संतान के नाम करने के बाद भी पिता को अपने अंतिम दिन वृद्धाश्रम में काटने पड़े। लोग अक्सर कहते हैं कि कितना अभागा है वह पिता, जिसकी अर्थी को उसके अपने बेटे का कंधा भी न मिल पाया। जिसको बेटे के हाथ से मुखाग्नि भी न मिल पाई। परन्तु यहां अभागा पिता नहीं बल्कि वह बेटा और बेटी भी हैं जो उसके अंतिम संस्कार के वक्त वहां अनुपस्थित थे। श्रीनाथ खंडेलवाल के बेटा–बेटी को अपनी भूल सुधार का कोई अवसर अब प्राप्त नहीं होगा। अब लोगों के समक्ष वे चाहे जितने भी बहाने बनाएं, लोग यही कहेंगे कि यही था जिसने अपने पिता को बुढ़ापे में वृद्धाश्रम में मरने के लिए छोड़ दिया और उसका अंतिम संस्कार करने भी नहीं गया। कहते हैं कि बेटी अक्सर पिता के हृदय के बहुत करीब होती है। यदि बेटा निकम्मा भी निकल आए तो भी बेटी माता–पिता का ध्यान–सम्मान करती है। दूसरे घर में होते हुए भी अपने माता–पिता की अधिकाधिक देखरेख करती है। परन्तु उक्त मामले में बेटी भी पाषाण–हृदय निकली– यह जानकर ठेस लगना स्वाभाविक है। श्रीनाथ खंडेलवाल का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ था, लेकिन उनका मन हमेशा से साहित्य की ओर झुका रहा। मात्र 15 वर्ष की आयु में लेखन शुरू किया और एक प्रतिष्ठित साहित्यकार के रूप में पहचान बनाई। शिव पुराण और मत्स्य पुराण जैसे ग्रंथों का उनके द्वारा हिंदी में अनुवाद किया गया। खंडेलवाल ने संस्कृत, असमिया, और बांग्ला में भी साहित्य सृजन किया। उनका जीवन साहित्य और ज्ञान को समर्पित था। वैभव और ख्याति के बीच, श्रीनाथ खंडेलवाल का निजी जीवन संघर्षों से भरा रहा। उन्होंने अपने बच्चों के लिए सब कुछ किया, लेकिन वही बच्चे उनके अंतिम दिनों में उनकी सबसे बड़ी पीड़ा बन गए। उनका बेटा एक सफल व्यवसायी और बेटी अधिवक्ता है। बावजूद इसके, मार्च 2024 में उन्होंने अपने पिता को घर से निकाल दिया। करीब 80 करोड़ की संपत्ति के बावजूद उन्हें वृद्धाश्रम में रहना पड़ा। उनकी यह स्थिति हमें सोचने पर विवश करती है। काशी कुष्ठ सेवा संघ के वृद्धाश्रम में बिताए उनके अंतिम दिन दर्दभरे थे। एक वायरल वीडियो में उन्होंने अपनी पीड़ा साझा करते हुए कहा था, 'मैंने अपनी पूरी जिंदगी अपने बच्चों के लिए लगाई, लेकिन आज वे मेरे लिए अजनबी बन गए हैं। मेरे पास सब कुछ था, लेकिन आज मैं अकेला हूं।' यह बयान न केवल उनकी वेदना को प्रकट करता है, बल्कि संतान के संवेदनहीन रवैये पर भी चोट करता है। गत 28 दिसंबर को उनकी तबीयत बिगड़ने पर जब अस्पताल से उनके बच्चों को सूचित किया गया, तो बेटे ने 'बाहर होने' का बहाना बना दिया और बेटी ने फोन तक नहीं उठाया। आखिरकार, एक सामाजिक कार्यकर्ता और उनके कुछ साथी इस समय अस्पताल में उनके साथ रहे। उन्होंने न केवल वृद्धाश्रम में श्रीनाथ का ध्यान रखा, बल्कि उनके निधन के बाद बनारस के मणिकर्णिका घाट पर उनके अंतिम संस्कार की व्यवस्था भी की। श्रीनाथ खंडेलवाल का जीवन और निधन समाज के समक्ष एक गंभीर सवाल उठाता है। यह घटना बताती है कि आधुनिकता और व्यस्तता के नाम पर हम अपने माता–पिता और बुजुर्गों को भुला रहे हैं। संपत्ति और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के पीछे भागते हुए, हम उन्हें अनदेखा कर रहे हैं जिन्होंने हमारे लिए अपना सब कुछ दांव पर लगाया। यह केवल एक परिवार की कहानी नहीं है, बल्कि समाज के व्यापक बदलाव का प्रतीक है। ऐसी घटनाएं हमें चेताती हैं कि अब रिश्तों और जिम्मेदारियों को फिर से परिभाषित करने की आवश्यकता है। नैतिक मूल्यों को पहचानने और अपनाने की सोच को दकियानूसी बताकर पल्ला झाड़ने के परिणाम भयंकर हो सकते हैं। इसलिए आवश्यकता अपने बच्चों को महंगे स्कूलों में पढ़ाकर उन्हें इंजीनियर, व्यवसायी, डॉक्टर या कुछ और बड़ा बनाने से पहले उन्हें संवेदनशील इंसान बनाने की है। हर माता पिता यही सोचता है कि उसका बच्चा किसी तरह कामयाब हो जाये, फिर उसका जीवन सुखी तो अपना भी सुखी। परन्तु श्रीनाथ खंडेलवाल का उदाहरण सामने है उनके दोनों बच्चे कामयाबी की ट्रेन में सवार हैं परन्तु इंसानियत को कहीं पीछे छोड़ आए। शायद उसी का खमियाजा श्रीनाथ जी को अंतिम समय में भुगतना पड़ा।

परीक्षा के दौरान तनाव और चिंता कैसे कम करें

संजय

सावधानीपूर्वक तैयारी और व्यवस्थित अध्ययन कार्यक्रम से लेकर शारीरिक गतिविधियों और विश्राम तकनीकों तक, यहां रणनीतियों की एक श्रृंखला दी गई है जो आपको शांत और आत्मविश्वास की अधिक भावना के साथ चुनौतीपूर्ण परीक्षा अवधियों को पार करने में मदद कर सकती है। परीक्षण की चिंता को दूर करने के तरीके – पारंपरिक तरीके 1. योजना बनाएं और व्यवस्थित करें अपने अध्ययन सत्र में जाने से पहले, सुनिश्चित करें कि आपके पास सभी आवश्यक सामग्री और संसाधन उपलब्ध हैं। अपनी अध्ययन सामग्री को छोटे, प्रबंधनीय खंडों में विभाजित करें और प्रत्येक को निपटाने के लिए समर्पित समय स्लॉट निर्दिष्ट करें। एक संरचित योजना होने से अध्ययन अधिक प्रबंधनीय हो सकता है और अंतिम समय में रटने की समस्या कम हो सकती है। वैकल्पिक रूप से, आप अपने अध्ययन सत्र को अधिक उत्पादक बनाने के लिए समय प्रबंधन विधियों का भी प्रयोग कर सकते हैं। अध्ययन कार्यक्रम की योजना बनाने और व्यवस्थित करने से परीक्षा के तनाव को कम करने में मदद मिल सकती है अतिरिक्त युक्तिरू अध्ययन उपकरण का उपयोग करें बेहतर संगठन के लिए डिजिटल टूल या ऐप्स का उपयोग करने पर विचार करें। उदाहरण के लिए, ट्रेलो या नोशन जैसे ऐप्स आपको विस्तृत अध्ययन कार्यक्रम बनाने और आपकी प्रगति को ट्रैक करने में मदद कर सकते हैं। आपकी तैयारी की दक्षता को बढ़ाते हुए, ट्यूटर्स या अध्ययन समूहों के साथ सहयोग की सुविधा भी प्रदान कर सकते हैं। 2. विश्राम तकनीकों का प्रयास करें अपनी दैनिक दिनचर्या को बेहतर बनाने के लिए गहरी साँस लेना, ध्यान, या प्रगतिशील मांसपेशी छूट जैसे जागरूकता अभ्यासों को एकीकृत करें। ये तरीके प्रभावी रूप से आपके दिमाग को शांत करेंगे, परीक्षण की चिंता को कम करेंगे और आपके समग्र फोकस में सुधार करेंगे। उदाहरण के लिए, आपकी ऐप्पल वॉच पर माइंडफुलनेस ऐप आपको गहरी सांस लेने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए दिन में कुछ मिनट निकालने में मदद कर सकता है, जिससे रक्तचाप और तनाव का स्तर काफी कम हो सकता है। इसके अलावा, यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त नींद लेने को प्राथमिकता दें कि अध्ययन सत्र और परीक्षा दोनों के दौरान आपका मस्तिष्क बेहतर ढंग से काम करे। विश्राम तकनीकों को आजमाने से परीक्षा की चिंता को कम करने में मदद मिल सकती है अतिरिक्त युक्ति एक विश्राम दिनचर्या बनाएं अपने मस्तिष्क को यह संकेत देने के लिए कि यह ध्यान केंद्रित करने का समय है, अध्ययन–पूर्व विश्राम की एक दिनचर्या स्थापित करें। इसमें एक छोटा ध्यान सत्र, स्ट्रेचिंग व्यायाम, या कुछ मिनट की सचेतनता शामिल हो सकती है। एक सुसंगत दिनचर्या आपके दिमाग को आसानी से अध्ययन मोड में बदलने के लिए प्रशिक्षित करने में मदद करती है। 3. संतुलित आहार बनाए रखें जैसा कि इस कहावत में सही कहा गया है,। आप वही हैं जो आप खाते हैं, एक संतुलित आहार परीक्षा के तनाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भारत में तेज गति से बढ़ती बिलिनेयर की संख्या

प्रह्लाद

भारत में आर्थिक प्रगति की दर लगातार तेज होती दिखाई दे रही है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर भी अन्य देशों की तुलना में द्रुत गति से आगे बढ़ रही है। भारत आज विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था आज विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था है तथा शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत का वैश्विक व्यापार भी द्रुत गति से आगे बढ़ रहा है। कुल मिलाकर, भारत आज अर्थ के क्षेत्र में पूरे विश्व में एक चमकते सितारे के रूप उभर रहा है। लगातार तेज तो रही आर्थिक प्रगति का प्रभाव अब भारत में नागरिकों की औसत आय में हो रही वृद्धि के रूप में भी दिखाई देने लगा है। हाल ही में अमेरिका में जारी की गई यूबीएस बिल्यनेर ऐम्बिशन रिपोर्ट के अनुसार भारत में बिलिनेयर (अतिधनाडयों) की संख्या 185 तक पहुंच गई है और भारत विश्व में बिलिनेयर की संख्या की दृष्टि से तृतीय स्थान पर आ गया है। प्रथम स्थान पर अमेरिका है, जहां बिलिनेयर की संख्या 835 हैं एवं द्वितीय स्थान पर चीन है जहां बिलिनेयर की संख्या 427 है। इस वर्ष भारत और अमेरिका में जहां बिलिनेयर की संख्या में वृद्धि हुई है वहीं चीन में बिलिनेयर की संख्या में कमी आई है। अमेरिका में इस वर्ष बिलिनेयर की सूची में 84 नए बिलिनेयर जुड़े हैं एवं भारत में 32 नए बिलिनेयर (21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ) जुड़े हैं तो वहीं चीन में 93 बिलिनेयर कम हुए हैं। पूरे विश्व में आज बिलिनेयर की कुल संख्या 2682 तक पहुंच गई है जबकि वर्ष 2015 में पूरे विश्व में 1757 बिलिनेयर थे। भारत में वर्ष 2015 की तुलना में बिलिनेयर की संख्या में 123 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। बिलिनेयर अर्थात वह नागरिक जिसकी सम्पत्ति 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गई है अर्थात भारतीय रुपए में लगभग 8,400 करोड़ रुपए की राशि से अधिक की सम्पत्ति।

पिछले एक वर्ष के दौरान भारत में उक्त वर्णित बिलिनेयर की सम्पत्ति 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 9,560 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई हैं। जबकि अमेरिका में बिलिनेयर की सम्पत्ति वर्ष 2023 में 4 लाख 60 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2024 में 5 लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। चीन में तो बिलिनेयर की सम्पत्ति वर्ष 2023 में एक लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से घटकर वर्ष 2024 में एक लाख 40 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर की हो गई है। पूरे विश्व में बिलिनेयर की सम्पत्ति बढ़कर 14 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। उक्त प्रतिवेदन में यह सम्भावना भी व्यक्त की गई है कि आगे आने वाले 10 वर्षों में भारत में बिलिनेयर की संख्या में और तेज गति से वृद्धि होगी। भारत में 108 से अधिक पारिवारिक व्यवसाय में संलग्न परिवार भी हैं जो अपने व्यवसाय को भारतीय पारिवारिक परम्परा के अनुसार आगे बढ़ा रहे हैं और भारत में बिलिनेयर की संख्या में वृद्धि एवं भारतीय अर्थव्यवस्था में अपना योगदान दे रहे हैं।

भारतीय बिलिनेयर की संख्या केवल भारत में ही नहीं बढ़ रही है बल्कि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय भी बिलिनेयर की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं एवं वे अपनी आय के कुछ हिस्से को भारत में भेजकर यहां निवेश कर रहे हैं और इस प्रकार अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिक भी भारत के आर्थिक विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। विशेष रूप से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को द्रुत गति से बढ़ाने में भारतीय मूल के इन नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहता आया है। इस समय भारतीय मूल के एक करोड़ 80 लाख से अधिक नागरिक विभिन्न देशों में कार्य कर रहे हैं एवं प्रतिवर्ष वे अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा भारत में जमा के रूप से भेजते हैं। हाल ही में वर्ल्ड बैंक द्वारा जारी किए गए एक प्रतिवेदन में यह बताया गया है कि वर्ष 2024 में 12,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर की भारी भरकम राशि अन्य देशों में रह रहे भारतीयों द्वारा भारत में भेजी गई है। भारत पिछले कई वर्षों से इस दृष्टि पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर कायम है। वर्ष 2021 में 10,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2022 में 11,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2023 में 12,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी गई थी। प्रतिवर्ष भारत में भेजी जाने वाली राशि की तुलना यदि अन्य देशों में भेजी जा रही राशि से करें तो ध्यान में आता है कि वर्ष 2024 में मेक्सिको में 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि

भेजी गई थी, जिसे पूरे विश्व में इस दृष्टि से द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। मेक्सिको में भेजी गई राशि भारत में भेजी गई राशि की तुलना में लगभग आधी है। चीन को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है एवं चीन में 4,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई है, फिलिपीन में 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं पाकिस्तान में 3,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि अन्य देशों में रह रहे इन देशों के नागरिकों द्वारा भेजी गई है।

भारत में भारतीय नागरिकों द्वारा अन्य देशों से भेजी जा रही राशि में उत्तरी अमेरिका, यूरोप, खाड़ी के देशों एवं एशिया के कुछ देशों यथा मलेशिया एवं सिंगापुर का प्रमुख योगदान है। जैसा कि विदित ही है कि प्रतिवर्ष भारत से लाखों युवा उच्च शिक्षा प्राप्त करने की दृष्टि से विकसित देशों की ओर जाते हैं। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत भारतीय युवा इन देशों में ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं एवं अपनी बचत की राशि का बड़ा भाग भारत में भेज देते हैं। आज तक भारतीय मूल के इन नागरिकों द्वारा एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी गई है। भारत के लिए विदेशी मुद्रा भंडार के संग्रहण में यह राशि बहुत बड़ी भूमिका निभा रही है। वर्ष 2024 में पूरे विश्व में 68,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि विभिन्न देशों के नागरिकों द्वारा अपने अपने देशों को भेजी गई है। यह राशि वर्ष 2023 में भेजी गई राशि से 5.8 प्रतिशत अधिक है। पूरे विश्व में विभिन्न देशों में निवास कर रहे नागरिकों द्वारा भेजी गई उक्त राशि में से 20 प्रतिशत से अधिक की राशि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीयों द्वारा ही अकेले भारत में भेजी गई है। इस प्रकार, भारतीय मूल के नागरिकों की सम्पत्ति न केवल भारत में बल्कि अन्य देशों में भी बहुत तेजी के साथ बढ़ रही है।

अधिवक्ता वादकारी एवं न्यायाधीश के बीच सेतु बनकर कार्य करता हैं : जस्टिस नरेन्द्र कुमार जौहरी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। त्वरित न्याय दिलाने में सबसे बड़ी भूमिका अधिवक्ता का सबसे बड़ा योगदान होता हैं अधिवक्ता वादकारी एवं न्यायाधिस के बीच सेतु बनकर कार्य करता हैं उक्त विचार दीवानी अधिवक्ता संघ जौनपुर द्वारा आयोजित सिविल कोर्ट जौनपुर के वरिष्ठ अधिवक्ता स्व संतोष कुमार श्रीवास्तव संतोषी बाबू की 19वी पुण्यतिथि पर सेमिनार त्वरित न्याय में न्याय पालिका कार्य पालिका विधायिका एवं अधिवक्ताओ की भूमिका सेमिनार में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति जस्टिस नरेन्द्र कुमार जौहरी लखनऊ खंडपीठ ने कहा और कहा कि शीघ्रता से न्याय मिलना आज की आवश्यकता है आम आदमी आज भी न्याय पालिका में विश्वास और सम्मान करता हैं। किसी भी शसक्त राष्ट्र के लिए स्वतंत्र न्यायपालिका की आवश्यकता होती हैं स्वतंत्र न्यायपालिका के अभाव में राष्ट्र पतन की ओर चला जाता हैं व्यवस्थापिका एवं कार्यपालिका को न्यायपालिका ही नियंत्रित करती हैं। जूनियर अधिवक्ताओं को अपने सीनियर अधिवक्ताओं का सम्मान करना चाहिए जौनपुर अधिवक्ता संघ का नाम बहुत सुना था आज आने का सौभाग्य मिला। त्वरित न्याय के लिए न्याय पालिका कार्य पालिका विधायिका सभी सक्रिय हैं।जिला जज अनिल कुमार वर्मा ने कहा कि न्यायपालिका कार्यपालिका विधायिका अधिवक्ताओं सभी का अपना महत्वपूर्ण योगदान है जिसमें अधिवक्ताओं की भूमिका सराहनीय है अधिवक्ता न्याय पालिका का दर्पण होता हैं जो वादकारियों की बातों को न्यायालय में रखता है जिलाधिकारी डॉ दिनेश चन्द ने कहा कि न्यायालय सर्वोपरि है यदि समाज में न्याय शब्द हटा दिया जाए तो लोगों का विश्वास खत्म हो जाएगा त्वरित न्याय न्याय के लिए सभी लोग अपना योगदान देते रहे। पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तूभ ने कहा कि त्वरित न्याय में अधिवक्ता हमेशा तत्पर रहते है और वकालत पेशा सम्मानजनक होता हैं देश की आजादी में वकीलों की बड़ी भूमिका निभाई थी और आजादी के बाद संविधान निर्माण में भी अधिवक्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।अध्यक्षता सुभाष चंद्र यादव अध्यक्ष दीवानी अधिवक्ता संघ संचालन मंत्री रणबहादुर यादव ने किया आभार कार्यक्रम संयोजक राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया बच्चा भईया एडवोकेट ने किया। सेमिनार में वरिष्ठ अधिवक्ता संतोष श्रीवास्तव, पूर्व अध्यक्ष सतेन्द्र बहादुर सिंह, पूर्व अध्यक्ष प्रेम शंकर मिश्रा पूर्व अध्यक्ष ब्रजनाथ पाठक पूर्व मंत्री अवधेश सिंह, पूर्व मंत्री जयप्रकाश कामरेड, वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश चन्द उपाध्याय लाल बहादुर यादव, अशोक यादव अभियोजन अधिकारी हिमांशु श्रीवास्तव घनश्याम यादव इंद्रजीत पाल संजय श्रीवास्तव एडीजीसी, आदि अधिवक्ता बंधु मौजूद रहे।

महिलाओं की शिक्षा के बिना समाज का विकास अधूरा है : पप्पू माली

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। संयुक्त श्रीमाली महासभा द्वारा शहर के मां शीतला पैलेस में माता सावित्रीबाई फुले की जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से गणमान्य लोग और युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मडियाहूं विधायक डा. आर.के पटेल ने सावित्रीबाई फुले के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा, ष्सावित्रीबाई फुले ने न केवल शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के लिए मार्ग प्रशस्त किया, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उनकी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं और हमें समानता और न्याय की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करती हैं। मुख्य अतिथि पप्पू माली ने सावित्रीबाई के योगदान की सराहना करते हुए कहा, ष्महिलाओं की शिक्षा के बिना समाज का विकास अधूरा है, और सावित्रीबाई फुले ने यह बात अपने जीवन और संघर्षों से साबित की।ष पप्पू माली ने कहा आज समाज को एक होकर समाज के विकास के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा की मशाल जलाकर समाज में व्याप्त ऊंच– नीच छुआछूत, अमीरी– गरीबी आदि कुरीतियों को दूर करने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संयुक्त श्रीमाली महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष छोटेलाल ने कहा, ष्हमारा समाज सावित्रीबाई फुले के दिखाए मार्ग पर चलकर ही समृद्ध और सशक्त हो सकता है। इस प्रकार के कार्यक्रम हमें उनके विचारों से जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं।ष उन्होंने कहा कि सावित्री बाई फूले जी को भारत रत्न दिया जाए, जिससे कि उनके द्वारा समाज के योगदान को कभी नहीं भुला जा सकता है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर देव श्रीमाली ने सभी अतिथियों को अंग वस्त्रम और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा इस आयोजन ने सावित्रीबाई फुले के जीवन और योगदान को सम्मानित करने के साथ–साथ समाज में शिक्षा और समानता के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम का आभार जिलाध्यक्ष अनिल श्रीमाली ने किया। कार्यक्रम का संचालन रामचंद्र श्रीमाली ने किया। इस रामकुमार माली, सुरेन्द्र श्रीमाली, राजू पंडा, अखिलेश सैनी, आशीष माली, संजय माली, पंचम माली, रवि सैनी, संदीप, संतोष, रतन श्रीमाली, इंज० अमन सैनी, आदि लोग शामिल हुए।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), लगाएगा दस दिवसीय प्रदर्शनी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय 4 जनवरी शनिवार से गोमतीनगर रिवरफ्रंट निकट चटोरी गली में दस दिवसीय आंचलिक स्तरीय खादी प्रदर्शनी का आयोजन करेगा। 13 जनवरी तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में 8 राज्यों से आए प्रतिनिधियों द्वारा 12 स्टाल लगेंगे। जिस पर खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध होगी। डा. नितेश धवन, राज्य निदेशक खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि अगर पूछा जाए इस प्रदर्शनी का उद्देश्य क्या है तो मैं एक लाइन में कहना चाहूंगा कि पिछले एक दशक में खादी की यात्रा ष्आत्म निर्भर भारत के लक्ष्य की प्राप्तिष और इस लक्ष्य की प्राप्ति हमे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन से मिलेगी। इस प्रदर्शनी में खादी और ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) और खादी निर्माण से जुड़ी संस्थाओं,कारीगरों और लाभार्थियों को विपणन मंच प्रदान करने के साथ–साथ उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इस प्रदर्शनी में हम ग्राहकों को 20 से 25 प्रतिशत तक की छूट भी देंगे। इस प्रेस वार्ता में सह निदेशक, जे.सी, ताल्लुकदार एवं प्रशांत मिश्रा भी मौजूद थे। 4 जनवरी से 13 जनवरी तक लगने वाली इस प्रदर्शनी में कुल 75 स्टॉल्स लगेंगे जिसमें पीएमईजीपी के 45 स्टॉल्स और खादी के 30 स्टॉल्स लगेंगे, प्रदर्शनी में 8 अलग अलग राज्य (पश्चिम बंगाल, जम्मू–कश्मीर, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखंड, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश) से आए प्रतिनिधियों द्वारा इस प्रदर्शनी में स्टॉल्स लगाए जाएंगे। इस प्रदर्शनी में ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए सेल्फी प्वाइंट, प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम से लेकर फूड कोर्ट सभी चीजों की व्यवस्था की जाएगी। जबकि एक दिन बायर सेलर मीट भी होगी, जहां क्रेता एवं विक्रेता मौजूद रहेंगे।

असहायों का मददगार है स्काउट गाइड–डा अब्दुल कादिर खान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारत स्काउट गाइड के अंतिम दिन मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज के बीएड प्रशिक्षुओं के द्वारा टेन्ट एवं अन्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया प्राचार्य डॉ अब्दुल कादिर खान ने प्रशिक्षुओं के द्वारा बनाए गए टेन्टों का निरीक्षण किया एवंम उन्होंने कहा देश में अनेकों आपदाओं से

बचने के लिए हमें स्काउट गाइड जागरूक करता है हम सबको असहाय की मदद एवं आपदाओं में सहयोग की भावना जागृत करने की प्रेरित करता है इस मौके पर स्काउट ट्रेनर अजय चौहान,अम्बुज सिंह,नीतेश प्रजापति,पायल विश्वकर्मा,डॉ जीवन,डॉ सुनील दत्त मिश्रा,डॉ गुलाब मौर्य,डॉ प्रज्वलित यादव, डॉ आशीष श्रीवास्तव,डॉ संतोष यादव,प्रवीण यादव,अहमद अब्बास खान एवं महाविद्यालय परिवार छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

विशिष्ट उत्पाद की जीआई टैग कराए

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) की जिला प्रबंधनध्परियोजना प्रबंधन समिति की बैठक की गई जिसमें जिलाधिकारी द्वारा नवाचार वाले उत्पादों को क्रियाशील कराकर विशिष्ट उत्पाद की जीआई टैग कराने के लिए उप कृषि निदेशक को निर्देश दिया गया। किसानों से सरसों तेल मिल, मक्का प्रोसेसिंग यूनिट, दुग्ध उत्पाद की यूनिट लगाने हेतु डीपीआर तैयार कर समिति के समक्ष प्रस्तुत करने का सुझाव दिए गए ताकि बैको से ऋण स्वीकृत कराकर जिले के कृषकों को लाभान्वित कराया जा सके, उन्होंने कहा कि जब तक किसानों के उत्पादों का मूल्य सम्बर्धन यदा सफाई, ग्रेडिंग, प्रोसेसिंग, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, भंडारण एवं विपड़न की उचित व्यवस्था नही होगी, तबतक उचित मूल्य नहीं प्राप्त हो सकता है। मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम ने कहा कि किसान संभावनाएं तलाश कर कृषि अवसंरचना फण्ड (एआईएफ) से सब्सिडी प्राप्त कर लाभान्वित हो सकते है। उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चंद्र यादव ने बताया कि एफपीओ को हर वर्ष कम्पनी एक्ट के तहत कंप्लायंस को फॉलो करना पड़ता है। किसी भी योजना से लाभ लेने के लिए सरकार की वेबसाइट एफपीओ शक्ति पोर्टल पर सक्रिय होना जरूरी होता है, बैलेन्स सीट एवं शेयर होल्डर आवंटन सीट सहित 21 पैरामीटर अपडेट्स कर ग्रेडिंग कराना होता है। कंप्लायंस पूर्ण न करने पर आर्थिक दण्ड का भुगतान करना पड़ता है, उन्होंने समिति को अवगत कराते हुए बताया कि सूचित करने पर भी कुल 61 एफपीओ में से वर्तमान सत्र में मात्र 11 एफपीओ ही अपनी ग्रेडिंग कराए है। टेक्निकल टीम द्वारा ग्रेडिंग से संबंधित आवश्यक जानकारी से किसानों को प्रशिक्षित किया गया। इस मौके पर उप कृषि निदेशक हिमांशु पाण्डेय, जिला कृषि अधिकारी विनय सिंह, डीडीएम नावार्ड लल्लन कुमार, मंडी सचिव ध्रुव कुमार समित के सदस्य सहित एफपीओ के सीईओ, डायरेक्टर आदि मौजूद रहे।

साक्षात्कार के दौरान सकारात्मक रहना महत्वपूर्ण : प्रो पुरोहित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट प्रकोष्ठद्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला ष्हाउ टू फेस इंटरव्यूरू डूज एंडडोंट्सष विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए दून विश्वविद्यालय, देहरादूनमें स्कूल आफ मैनेजमेंट के डीन प्रोफेसर एच सी पुरोहित ने कहा कि साक्षात्कार केदौरान पहनावे से लेकर हमारे चेहरे की भाव–भंगिमा भी हमारे प्रदर्शन में बहुतमहत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए साक्षात्कार के दौरान हमारापहनावा पेशे के अनुरूप फॉर्मल एवं साफ सुथरा हो और मानसिक स्थिति सकारात्मक होनीचाहिये.उन्होंने कहा कि सफलता अर्जित करने के लिएआवश्यक है कि हम अपनी क्षमता का बेहतर प्रदर्शन करें, क्योंकिइस दौरान हमारे ज्ञान और कौशल की परख तो होती ही है साथ ही हमारे आत्मविश्वास, समस्याओंसे जूझने और उनको हल करने की हमारी काबिलियत, तनाव को सहनकरने की शक्ति एवं तनावपूर्ण वातावरण को स्वस्थ वातावरण में परिवर्तित करने कीकला आदि भी परखी जाती है.प्रोफेसर पुरोहित ने कहा कि साक्षात्कार केदौरान हमको अपनी अच्छाइयों और उपलब्धियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन करना होता है औरइसके लिए जो ज्ञान और शिक्षा हमने अध्ययन के दौरान प्राप्त की है उसकी प्रस्तुतिबेहतर करने की कोशिश होनी चाहिए. साक्षात्कार की शुरुआत अपनी रुचि, प्रेरणासे करें और फिर संचार एवं संवाद की क्षमता, नेतृत्व करने कीक्षमता, समय प्रबंधन, प्रतिस्पर्धात्मकक्षमता, टीम में काम करने की क्षमता आदि को स्पष्ट करतेहुए पूर्ण आत्म विश्वास से आगे बढ़े. प्रो पुरोहित ने कहा कि साक्षात्कार केदौरान बिल्कुल भी घबराहट या नकारात्मकता आपके चेहरे पर, मनमस्तिष्क में कहीं होनी नहीं चाहिए क्योंकि जीवन में नकारात्मकता ही व्यक्ति कोपीछे धकेलती है हमको सकारात्मक सोच के साथ जीवन में आगे बढ़ना होगा इसलिएसाक्षात्कार के दौरान सकारात्मक होना बहुत आवश्यक है.इस अवसर पर विश्वविद्यालय ट्रेनिंग एंडप्लेसमेंट प्रकोष्ठ के निदेशक प्रोफेसर अविनाश डी पाथर्डीकर ने कहा कि हमारी कोशिशहै कि विद्यार्थियों को हर प्रकार के कौशल से युक्त किया जाए और प्लेसमेंट के लिए भीहम हर पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए उनके कौशल और क्षमता के अनुरूप कंपनियोंको आमंत्रित करेंगे. उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों केव्यक्तित्व विकास, संवाद कला को विकसित करने एवं उन्हें अधिकसृजनशील बनाने के लिए लगातार कार्यशालाएं आयोजित की जाएगी.कार्यक्रम का संचालन डॉ आशुतोष कुमार सिंह,स्वागत प्रो. अविनाश पाथर्डीकर एवं धन्यवाद डॉ राकेशउपाध्याय ने किया. इस अवसर पर डॉ अंजनी मिश्र , डॉ सुशील सिंह, डॉअमित वत्स, डॉ निशा पांडेय, सुश्री दीपांजलि,श्री प्रिंस सिंह, डॉ इंद्रेश गंगवार एवं श्री नितिन चौहान उपस्थित थे.

सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर 14 जनवरी तक डीएम ने किया अवकाश घोषित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने अवगत कराया है कि वर्तमान समय में जनपद के समस्त प्राथमिकध्उच्च प्राथमिक विद्यालय 14 जनवरी 2025 तक शीतकालीन अवकाश के कारण बन्द है। अधिकांश आंगनबाड़ी

केन्द्र प्राथमिकध्उच्च विद्यालयों में संचालित है। आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले बच्चें प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों से भी छोटे होते है। वर्तमान में पड़ रही ठण्ड एवं शीतलहर के प्रकोप से आंगनबाड़ी केन्द्र पर आने वाले (03 से 06 वर्ष के) बच्चों के बचाव हेतु जिलाधिकारी द्वारा समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों पर (03 से 06 वर्ष के) बच्चों का 14 जनवरी 2025 तक अवकाश घोषित किया जाता है। उक्त घोषित अवकाश की अवधि में सभी आंगनबाड़ी केन्द्र खुले रहेंगे तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों पर उपस्थित रहकर टी०एच०आर० प्राप्तिधवितरण, वी०एच०एस०एन०डी० सत्र के दौरान लाभार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण, गृहभ्रमण, नये लाभार्थियों का पंजीकरण व सत्यापन, समुदाय आधारित गतिविधियों का आयोजन तथा पोषण ट्रैकर पर समस्त बिन्दुओं की फीडिंग आदि विभागीय कार्यों का निष्पादन पूर्ववत् किया जायेगा। यह आदेश तत्काल प्रभावी होगा।

अयोध्या महोत्सव में कवि सम्मेलन 'काव्य कलश' का आयोजन, सुप्रसिद्ध कवियों ने अपनी रचनाए प्रस्तुत कर लूटी वाहवाही

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।अयोध्या महोत्सव में कवि सम्मेलन ष्काव्य कलशष का आयोजन 2 जनवरी को हुआ, जिसमें सुप्रसिद्ध कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं।इस सम्मेलन में सुदीप भोला, अजय शुक्ल अंजाम, शिवकुमार व्यास, सूर्यांश सूर्य, नीर गोरखपुरी, लोकेश त्रिपाठी, डॉ मानसी द्विवेदी, और अरुण द्विवेदी ने भाग लिया। कवि सम्मेलन में विभिन्न विषयों पर कविताएं प्रस्तुत की गईं। सूर्यांश सूर्य ने कार्यक्रम की शुरुआत की, कार्यक्रम का संचालन डॉ मानसी द्विवेदी ने किया और महोत्सव के संगठन महासचिव अरुण कुमार द्विवेदी ने उक्त कवि सम्मेलन का संयोजन किया।वही सुदीप भोला ने उक्त पंक्तियां पढ़ी,जहां बेटियाँ पूजी जाती होते हैं नवराते

नारी का सम्मान बचाने जौहर भी हो जाते,नारी का सम्मान बचाने जौहर भी हो जाते,जहां कृष्ण भी चीर बढ़ाने स्वयं खड़े हो जाते,अपमानित करने वालों के वंश जहां मिट जाते,अरे वहाँ दरिंदों ने दो महीने की बच्ची तड़पायी,आई कैसी बेहयाई आई कैसी बेहयाई आई।अजय शुक्ल अंजाम ने चेतक कविता सुनाकर पूरे महोत्सव को जोश से भर दिया। उनकी पंक्ति श्श्टपटपाक टपटपाक पद चाप हुनाई देती थी, वो नीले घोड़े का सवार तूफान दिखाई देता था, जिस ओर निकल जाता चेतक शमशान बना देता था।श्श उनकी पंक्ति श्श्कठिन परिश्रम ही जीवन मे सब खुशियां लाया करता है, चले चलो टप टप टपाक हर घोटक यह गाया करता है।कवि शिवकुमार व्यास ने चंद्रशेखर आजाद पर कविता गाते हुए कहा– राष्ट्र प्रेम का ज्वालामुखी भरा मेरे भी अंदर था, चाह यही थी निज सर्वस्व लुटाकर मैं भी कुछ कर जाऊं, माता के तन मन भेंट चढ़ाऊ।कवित्री डॉक्टर मानसी द्विवेदी ने अपनी प्रस्तुति देते हुए कविता पढ़ी – जिस्म के जंगलों की नहीं थाह है,मंजिलें लाख जिनकी खुली राह हैं,ये और बात है आस तेरी लगी,तुझको पाने की उम्मीद है चाह है।कवि लोकेश त्रिपाठी ने प्रेम पर अपना गीत प्रस्तुत करते हुए गाया– मां के भावों का चित्रण है, कविता कोई व्यापार नहीं , फिर गीतों में कैसे कह दूं, है मुझको तुमसे प्यार नहीं।नीर गोरखपुरी मैं अपना काव्य पाठ हास्य के साथ शुरू किया – घर का सामान चाहे तोड़े वो तोड़े या तोड़े हम,रोज लड़ती है और हिच हिच करती है, अपनी कमाई से जब पैसे मांगता हूं, मेरे पैसे देने में ही घिच घिच करती है।हर कदम पर है ठोकरें, मगर संभालता हूं ,दौड़ता देख किसी को नहीं मचलता हूं। जितना ईश्वर ने दिया उसमें ही खुश रहता अरुण, बिना परवाह किए पांव की मैं चलता हूं। उक्त लाइन कार्यक्रम संयोजक अरुण कुमार द्विवेदी ने पढ़ी।न्यास अध्यक्ष हरीश कुमार श्रीवास्तव ने कवि सम्मेलन में कहा, ष्यह कवि सम्मेलन हमारी सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया है। हमें अपनी कविताओं के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करना चाहिए।ष उन्होंने आगे कहा, ष्कविता हमारी भावनाओं को व्यक्त करने का एक शक्तिशाली माध्यम है। हमें अपनी कविताओं के माध्यम से समाज के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए और समाधान खोजने का प्रयास करना चाहिए।ष्इस अवसर पर कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिनमें मिल्कीपुर के पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा, प्रबंधक आकाश अग्रवाल, प्रबंध निदेशक नाहिद कैफ, महासचिव ऋचा उपाध्याय, चंद्रबली सिंह, जनार्दन पांडे श्बब्लू पंडित श ,नीलमणि त्रिपाठी, आजाद सदक, भानू गोस्वामी, हिमांशु मिश्रा, राकेश श्रीवास्तव, अनूप द्विवेदी, शिप्रा श्रीवास्तव ,निकिता, तनु पांडे शामिल थे।

ग्रापए के प्रदेश अध्यक्ष ने जरूरतमंदों को ओढ़ाया कंबल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

फेफना (बलिया)। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ कुमार की धर्मपत्नी श्यामा देवी की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को फेफना में जरूरतमंदों को कंबल ओढ़ाया गया। वहीं, बलेजी, नवादा मोड़ समेत अन्य गांवों में पहुंचकर प्रदेश अध्यक्ष सौरभ कुमार ने गरीबों एवं असहायों में कंबल वितरित किया। कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। इसे मूल मंत्र मानकर सामाजिक कार्यों में बढ़–चढ़कर शामिल होना चाहिए। कड़ाके की ठंड में समाज के सभी सामर्थ्यवान लोगों को इस तरह के कार्यों के लिए आगे आना चाहिए। इसके पहले गड़वार स्थित प्रदेश अध्यक्ष सौरभ कुमार के आवास पर श्यामा देवी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करके उन्हें याद किया गया। इस अवसर पर राजेश कुमार गुप्त, पियूष कुमार, प्रखर, प्रशांत कुमार, नवीन कुमार गुप्त, विजय, डंपू, आरूष आदि मौजूद रहे।

नगरौर व रघुरामपुर-चौसार के बीच हॉल्ट बनने की संभावना तेज

बहराइच, (संवाददाता)। बहराइच–गोंडा रेल प्रखंड पर पयागपुर–विशेश्वरगंज रेलवे स्टेशन के बीच चौसार के पास व चित्तौरा विकासखंड के नगरौर में हॉल्ट बनने की संभावना तेज हो गई है। पांच साल पुराने प्रस्ताव पर एक बार फिर रेलवे की मंडलीय टीम ने सर्वे किया है। हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं की गई है। चौसार के पास हॉल्ट बनने से अंडर पास में होने वाले जलभराव से लोगों को राहत मिलेगी और राह आसान होगी। चित्तौरा विकासखंड के नगरौर व उसके आसपास के ग्रामीणों को रेल सेवा के लिए बहराइच या फिर चिलवरिया रेलवे स्टेशन की दौड़ लगानी पड़ती है। वहीं पयागपुर व विशेश्वरगंज के बीच स्थित दर्जनों गांवों के ग्रामीणों का भी यही हाल है और इन्हें भी पयागपुर व विशेश्वरगंज रेलवे स्टेशन जाना पड़ता है। ग्रामीण कई सालों से यहां हॉल्ट बनाने की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों की मांग पर पांच साल पूर्व दोनों स्थानों पर हॉल्ट बनाने की कवायद शुरू हुई थी, लेकिन फिर ठंडे बस्ते में चली गई। रघुरामपुर गांव के सामने बने अंडरपास में साल के नौ महीने रहने वाले जलजराव से परेशान ग्रामीण लगातार हॉल्ट की मांग कर रहे हैं। इसे देखते हुए एक बार फिर रेलवे की मंडलीय टीम ने हॉल्ट बनाने को लेकर सर्वे शुरू किया है।

वितरित किए कंबल- खिल उठे चेहरे, अलाव जल रहे या नही

लखनऊ, (संवाददाता)। डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने मंगलवार की देर रात शहर के रैन बसेरा और जलवाए गए अलाव स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान डीएम ने रैन बसेरा में ठहरे लोगों से सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। साथ ही असहाय लोगों में कंबल का वितरण किया। रैन बसेरा के निरीक्षण के दौरान डीएम ने वहां पर रुके लोगों से बातचीत की तथा व्यवस्था के संबंध में जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि रात में खुले आसमान में कोई आम जनमानस न रहें, इस बात का विशेष ख्याल रखा जाए। भ्रमण के दौरान रेलवे स्टेशन तथा मेंहदावल बाईपास पर असहाय लोगों को कंबल का वितरण किया तथा पर्याप्त मात्रा में अलाव जलाने के लिए नगर पालिका खलीलाबाद के अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया। इस दौरान एसडीएम सदर शैलेश दुबे, क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक व लेखपाल आदि उपस्थित रहे।

लेक क्वीन क्रूज की वेबसाइट की हैक, फ्री में उठाया हैप्पी न्यू ईयर का लुत्फ- केस दर्ज

लखनऊ, (संवाददाता)। रामगढ़ताल में चलने वाली लेक क्यून क्रूज की वेबसाइट हैक कर चार युवकों ने टिकट कटाया और 31 दिसंबर की रात जमकर नए साल की पार्टी का लुत्फ उठाया। क्रूज के संचालक को चारों युवकों के फर्जीवाड़े की जानकारी उनके मैनेजर ने दी। स्टाक मिलान के दौरान चारों युवकों का बुक किया टिकट फर्जी मिला। के आधार पर चारों के खिलाफ उचित धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। इस फर्जीवाड़े से क्रूज को 12 हजार का नुकसान पहुंचा है। क्रूज प्रबंधन जांच कर रहा है कि पहले भी तो ऐसे ही वेबसाइट हैक नहीं की गई थी। इसके अलावा अंदेशा जताया जा रहा है कि नए साल पर ऐसे फर्जीवाड़े कर और भी कई जगह धंधेबाजों ने फायदा उठाया है।

छह साल बाद छप। कोर्ट ने सुनाया फैसला, 28 दोषी करार तिरंगा यात्रा के दौरान हुई थी हत्या

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ की विशेष एएनआई कोर्ट ने कासगंज में हुए चंदन गुप्ता हत्याकांड में छह साल बाद फैसला सुना दिया है। कोर्ट ने 28 आरोपियों को दोषी करार दिया है जबकि दो को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया है। बता दें कि 26 जनवरी 2018 को कासगंज में तिरंगा यात्रा के दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता चंदन गुप्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी जिसके बाद इलाके में हिंसा फैल गई थी। घटना को लेकर यूपी में कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठे थे। मामले

में सलीम नाम के युवक को मुख्य आरोपी बनाया गया था। वहीं करीब 20 लोगों को नामजद किया गया था। चंदन एक सामाजिक संस्था चलाता था। उसके पिता सुशील गुप्ता कासगंज के एक अस्पताल में कंपाउंडर के रूप में काम करते थे। हत्या के बाद कासगंज का माहौल खराब हो गया था और हिंसा भड़क उठी थी। शहर में उपद्रव व आगजनी हुई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 49 लोगों को गिरफ्तार किया था। बृहस्पतिवार को एनआईए कोर्ट ने छह साल बाद फैसला सुना दिया।

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को उठाने के लिए ठंडा पानी डालना पड़ा भारी

लखनऊ, (संवाददाता)। चारबाग रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर आठ व नौ पर ट्रेन के इंतजार में सो रहे यात्रियों पर सफाईकर्मियों ने पानी डालकर जगाया था। मामले की पड़ताल के बाद गुरुवार को डीआरएम सचिंद्र मोहन शर्मा ने 10000 रुपये का जुर्माना लगाया है साथ ही दोबारा शिकायत आने पर सख्त कार्रवाई की हिदायत दी है। मामला बीते शनिवार का है। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के चारबाग स्टेशन पर सफाईकर्मियों के यात्रियों पर पानी डालने का वीडियो सोशल मीडिया एक्स पर वायरल हुआ था। राजू यादव ने डीआरएम सचिंद्र मोहन शर्मा को वीडियो शेयर किया था, जिसमें सफाईकर्मी प्लेटफॉर्म धुलने के लिए सो रहे यात्रियों पर

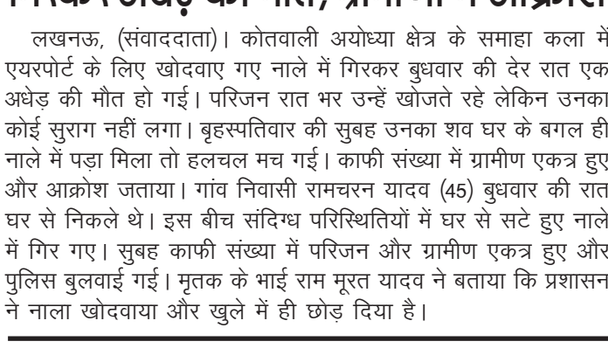

पानी डालकर जगा रहे थे। प्लेटफॉर्म आठ व नौ नंबर की ओर खम्मनपीर मजार है। यहां से चलने वाली ट्रेनों से सफर करने वाले व मजार पर आने वाले अक्सर प्लेटफॉर्म पर रुक जाते हैं। वायरल वीडियो में स्पष्ट नजर आ रहा था कि प्लेटफॉर्म पर सो रहे यात्रियों पर पानी डालकर सफाईकर्मी जगा रहे थे। सोने वालों में बच्चे भी शामिल थे। इससे उन्हें असुविधाएं हुई तथा अपने कंबलों को लेकर हटना पड़ा। सफाईकर्मियों का कहना था कि प्लेटफॉर्म की धुलाई व सफाई के लिए रात में आसानी से काम हो जाता है। दिन में ट्रैफिक के चलते धुलाई नहीं हो पाती है। हालांकि, वीडियो वायरल होने के बाद डीआरएम सचिंद्र मोहन शर्मा ने जांच के आदेश दिए थे। जांच में सफाईकर्मी दोषी पाए गए। डीआरएम ने बताया कि सफाई एजेंसी पर 10000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। रेलवे प्रशासन जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य किया जा रहा है।

एयरपोर्ट के लिए खोदवाए गए नाले में गिरकर अधेड़ की मौत, ग्रामीणों में आक्रोश

लखनऊ, (संवाददाता)। कोतवाली अयोध्या क्षेत्र के समाहा कला में एयरपोर्ट के लिए खोदवाए गए नाले में गिरकर बुधवार की देर रात एक अधेड़ की मौत हो गई। परिजन रात भर उन्हें खोजते रहे लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लगा। बृहस्पतिवार की सुबह उनका शव घर के बगल ही नाले में पड़ा मिला तो हलचल मच गई। काफी संख्या में ग्रामीण एकत्र हुए और आक्रोश जताया। गांव निवासी रामचरन यादव (45) बुधवार की रात घर से निकले थे। इस बीच संदिग्ध परिस्थितियों में घर से सटे हुए नाले में गिर गए। सुबह काफी संख्या में परिजन और ग्रामीण एकत्र हुए और पुलिस बुलवाई गई। मृतक के भाई राम मूरत यादव ने बताया कि प्रशासन ने नाला खोदवाया और खुले में ही छोड़ दिया है।

अयोध्या श्री राम प्राण प्रतिष्ठा को लेकर 5.59 लाख स्थानों पर हुए थे 9.85 लाख कार्यक्रम

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार।रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के एक साल पूरे होने वाले हैं। प्राण प्रतिष्ठा हिंदू तिथि पौष शुक्ला द्वादशी को हुई थी। यह तिथि इस साल 11 जनवरी को पड़ रही है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट तीन दिवसीय समारोह की तैयारी कर रहा है।एक साल पहले हुई प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव अकल्पनीय था। अद्भुत इसलिए था कि प्राण प्रतिष्ठा में 5. 59 लाख स्थानों पर 9.85 लाख कार्यक्रम हुए थे। अकल्पनीय इसलिए था कि 27.81 करोड़ लोग कार्यक्रमों के सहभागी बने पूरा देश राममय हो उठा था। श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय के अनुसार मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट की अपील पर आरएसएस के स्वंयसेवकों एवं समाज के विविध संस्था, संगठनों, कार्यकर्ता की ओर से गृह संपर्क अभियान चलाया गया। इसमें निमंत्रित करने के लिए देशभर अक्षत वितरण का कार्यक्रम हुआ। इसमें संघ की ओर से एक से 15 जनवरी 2025 तक चलाए गए गृह संपर्क अभियान में सभी प्रांतों के 5,78,778 गांवों और 4727 नगरों के कुल 199,84,9071 परिवारों से स्वयंसेवकों सहित व्यक्तियों ने संपर्क किया।

पॉडकास्ट बियॉन्ड द बैज कराएगा यूपी पुलिस के अनछुए पहलू से रुबरु

लखनऊ, (संवाददाता)। डीजीपी प्रशांत कुमार के निर्देश पर अभिनव पहल करते हुए प्रदेश पुलिस ने बियॉन्ड द बैज नामक पॉडकास्ट शृंखला की शुरूआत की गई है। इसके पहले एपिसोड में सेवानिवृत्त डीजी सीबीसीआईडी एसएन साबत का साक्षात्कार लिया गया है। जिसमें उन्होंने अपने सेवाकाल और निजी जीवन के अनुभवों, संस्मरणों एवं कार्यकाल के दौरान विभिन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए अपनाई तकनीकों तथा उपलब्धियों को साझा किया है। डीजीपी ने बताया कि भविष्य के एपिसोड में रिटायर्ड एवं कार्यरत ऐसे पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों (जिनके द्वारा असाधारण उपलब्धि हासिल करके प्रदेश पुलिस का मान बढ़ाया गया हो) के जीवन के अनछुए व्यक्तिगत पहलुओं एवं सेवाकाल के अनुभव एवं संस्मरण को पॉडकास्ट के माध्यम से प्रसारित किया जाएगा। इसको यूपी पुलिस के यूट्यूब चौनल एवं अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से देखा जा सकता है। यह पुलिस के युवा अधिकारियों को आमजन की बेहतर सेवा करने के लिए प्रेरित करने के साथ–साथ कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपनाई जाने वाली विभिन्न युक्तियों को समझने का अवसर भी प्रदान करेगा। एक पुलिस अधिकारी के द्वारा अपने सेवाकाल में विभिन्न चुनौतियों का कैसे सामना किया जाता हैं। कठिन परिस्थितियों में भी कानून–व्यवस्था कायम रखते हुए आमजन की सेवा व सुरक्षा की जाती हैं तथा व्यक्तिगत एवं पेशेवर जीवन के मध्य कैसे संतुलन स्थापित किया जाता है, यह बताने के लिए पॉडकास्ट उपयोगी माध्यम साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस पहल से प्रदेश पुलिस और आमजन के बीच में आपसी विश्वास और पारदर्शिता को बढ़ावा दिया जा सकेगा।

8700 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा अपर गंगा कैनाल एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल को एनसीआर से जोड़ेगा

लखनऊ, (संवाददाता)। एक्सप्रेसवे के मामले में देशभर में शीर्ष पर काबिज उत्तर प्रदेश में नए एक्सप्रेसवे के प्रस्तावों पर काम चल रहा है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे 98 फीसदी और गंगा एक्सप्रेसवे का काम 68 फीसदी हो चुका है। इन दोनों निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे के साथ नए या ठंडे बस्ते में जा चुके एक्सप्रेसवे के प्रस्तावों को फिर बाहर निकाला गया है। इन्हीं में से एक है अपर गंगा कैनाल एक्सप्रेसवे (यूजीसी एक्सप्रेसवे), जो 8700 करोड़ रुपये की लागत वाला आठ लेन का प्रवेश नियंत्रित एक्सप्रेसवे होगा। ये उत्तर प्रदेश–उत्तराखंड सीमा से पहले बुलंदशहर के सनौता पुल से मुजफ्फरनगर स्थित पुरकाजी तक ऊपरी गंगा नहर के किनारे से निकलेगा। प्रस्तावित एक्सप्रेसवे का निर्माण पूर्वांचल को नेशनल कैपिटल रीजन (एनसीआर) से जोड़ेगा। यह बुलंदशहर, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, मेरठ और मुजफ्फरनगर जिलों से होकर निकलेगा। इससे पूर्वांचल को तेजी से विकसित होने का एक और रास्ता मिलेगा। उत्तर से दक्षिण तक फैले इस एक्सप्रेसवे के जरिये कई शहरों के बीच अच्छे रोड नेटवर्क बनेंगे। प्रदेश को औद्योगिक, वाणिज्यिक और आवासीय गति मिलेगी। एक्सप्रेसवे के एक छोर पर स्थित एनसीआर, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद औद्योगिक गतिविधियों के गढ़ बन चुके हैं। ग्रेटर नोएडा एशिया का सबसे बड़ा औद्योगिक नगर बन चुका है। आठ लेन के यूजीसी एक्सप्रेसवे की अनुमानित लंबाई 147.8 किमी है। जबकि छह लेन के लिंक एक्सप्रेसवे की लंबाई 68.5 किमी होगी। दो लेन के सर्विस रोड की अनुमानित लंबाई 97.30 किमी होगी। एक्सप्रेसवे के किनारे छह स्थानों पर लैंड पार्सल के लिए विकास किया जाएगा। ताकि लाजिस्टिक सेवाओं को रफ्तार मिल सके। नहर, पर्यटन के विकास और वाटर स्पोर्ट्स के साथ नेविगेशन सुविधाएं होंगी। नहर पर सात जगहों पर पनबिजली स्टेशनों का विस्तार किया जाएगा।

बेरहम पिता तब तक दबाए रखा बेटी का मुंह और नाक जब तक दम नहीं तोड़ा

लखनऊ, (संवाददाता)। अरशद और बदर ने एक के बाद एक पूरे परिवार की हत्या कर दी। पिता बदर मासूम आलिया की नाक और मुंह तब तक दबाए रहा जब तक उसने दम नहीं तोड़ दिया। आरोपी वीडियो में बेटी की जान लेते नजर आ रहा है। हत्या के बाद पिता–पुत्र ने भी आत्महत्या की बात कही थी। पुलिस बदर की तलाश कर रही है। बदर के पास मोबाइल फोन न होने के कारण उसकी लोकेशन नहीं पता चल पा रही है। होटल के कमरे में और बिस्तर पर खून के धब्बे मिले हैं। पुलिस ने फोरेंसिक टीम की मदद से नमूने लिए हैं। वारदात की साजिश बदर ने रची थी। उसने बेटे को हत्या करने के लिए अपने साथ मिलाया था। बदर ने कहा था कि वह सभी की हत्या के बाद आत्महत्या कर लेगा, लेकिन वह होटल से चारबाग पहुंचा और लापता हो गया। पुलिस टीम ने आगरा एक्सप्रेसवे पर आरोपी की तलाश की, लेकिन सुराग नहीं लगा। छानबीन में सामने आया है कि आरोपियों ने साजिश के तहत वारदात को अंजाम दिया है। आरोपियों ने हत्या के लिए सर्जिकल ब्लेड भी खरीदी थी, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है। पूछताछ में अरशद पुलिस को लगातार गुमराह कर रहा है। आरोपी हत्या का स्पष्ट कारण नहीं बता सका है। पुलिस का कहना है कि अरशद अलग–अलग कारण बता रहा है। आरोपी ने बस्ती वालों को फंसाने के लिए उनका नाम लेने की बात भी कही है। आरोपी का कहना है कि उसके पिता परिवार को भरण पोषण नहीं कर पा रहे थे। इसकी वजह से उनके कहने पर सबकी हत्या कर दी। आशंका जताई जा रही है कि आरोपियों ने हत्या से पहले सभी को नशीला पदार्थ खिलाया था। पूछताछ में अरशद ने शराब पिलाने की बात कही है। आरोपी ने शराब जबरन पिलाई या धोखे से, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पूरा मामला स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस अरशद के रिश्तेदारों से संपर्क कर रही है।

नकली नोट बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ मदरसे का प्रबंधक निकला गिरोह का सरगना ऐसे छापते थे नोट

लखनऊ, (संवाददाता)। नकली नोट छापकर ग्रामीण क्षेत्र की बाजारों व दुकानों में चलाने वाले गिरोह का पुलिस ने बुधवार पर्दाफाश किया। मामले में हरदत्त नगर गिरंट पुलिस व एसओजी टीम ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से असली व नकली नोट, नोट छापने के कागज, उपकरण व तमंचा तथा बाइक बरामद किया है। गिरोह का सरगना मल्हीपुर के एक मदरसा का प्रबंधक बताया जा रहा है। पुलिस को कुछ दिनों से यह शिकायत मिल रही थी कि मल्हीपुर थाना क्षेत्र में नकली नोट का प्रचलन बढ़ा है। इसका खुलासा करने के लिए एसपी ने टीम का लगाया था। टीम ने मुखबिर की सूचना पर भेसरी नहर पुल से तीन लोगों को नकली नोट, तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद मल्हीपुर थाना क्षेत्र के लक्ष्मनपुर स्थित मदरसे से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। जहां से एक प्रिंटर, दो लैपटाप, चार बोतल स्याही, 35,400 रुपये नकली नोट व 14500 रुपये असली नोट, एक 315 बोर तमंचा व कारतूस, एक कैंची, स्केल, एक कागज का तीन असली नोट चिपका फार्मा, एक बाइक व पांच मोबाइल बरामद हुए। एसपी घनश्याम चौरसिया के अनुसार गिरफ्तार मुबारक अली उर्फ नूरी निवासी लक्ष्मनपुर गंगापुर थाना मल्हीपुर गिरोह का सरगना है। जिसके पांच बीवियां हैं। जो अलग अलग स्थानों पर रहकर नकली पैसे को चलाने का काम करती हैं। इसकी एक बीबी गंगापुर के मदरसा फैजुर्रनबी व दूसरी बहराइच शहर के जामिया नूरिया मस्जिद में शिक्षक है। जब जिला पुलिस उसे घेरती है तो नूरी बहराइच मदरसे में छिपता है। यही गंगापुर मदरसे के एक कमरे में नकली नोट छापता है। जो शाम को बाजार में या फिर कम रोशनी वाले स्थानों पर चलाता है। गिरोह में बहराइच के थाना पयागपुर के काशी जोत निवासी जमील अहमद, विशेश्वरगंज थाना क्षेत्र के सर्बदी निवासी धर्मराज शुक्ला, रामगांव थाना क्षेत्र के बेगमपुर निवासी रामसेवक व सोनवा थाना क्षेत्र के ककंधू गांव निवासी अवधेश कुमार पांडेय भी शामिल हैं। काशीजोत निवासी जमील अहमद पर पयागपुर थाने में दो आपराधिक मामले दर्ज हैं। जबकि रामसेवक पर बहराइच कोतवाली नगर में दो व नानपारा में एक मामला दर्ज है। अवधेश कुमार पर सोनवा में शस्त्र अधिनियम का एक व मुबारक अली पर गोंडा के खरगूपुर, बहराइच के रुपईडीहा में एक एक व मल्हीपुर में दो आपराधिक मामले दर्ज हैं। उच्च कोटि के कागज पर निकालते थे नकली नोट

एएसपी प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि आरोपी मुबारक अली ने यूट्यूब से नकली नोट बनाना सीखा था। नकली नोट बनाने में उच्च कोटि का कागज इस्तेमाल करते थे। जिसे लैपटॉप व प्रिंटर के सहारे निकालते थे। जिसे बाद में कम रोशनी वाले स्थान व कम पढ़े लिखे लोगों, फल सब्जी की दुकानों व ढाबली पर चलाते थे। इस काम में नूरी की पत्नियां भी शामिल थी।

एसपी ने किया खुलासा

जाली नोट बनाने व बाजार में खपाने वाले गिरोह का खुलासा करने वाली हरदत्त नगर गिरंट पुलिस व एसओजी टीम को 25 हजार रुपये के नगद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। साथ ही एएसपी प्रवीण कुमार यादव सीओ संतोष कुमार को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा।–

नुक्कड़ नाटक से सफदर हाशमी को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ, (संवाददाता)। नाटककार, निर्देशक, गीतकार और कलाविद रहे सफदर हाशमी को उनके 36वें शहादत दिवस पर बुधवार को याद किया गया। इस दौरान नुक्कड़ नाटक 'और करो तुम जय–जयकार' का मंचन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उत्तर रेलवे मजदूर यूनियन और अमुक आर्टिस्ट ग्रुप की ओर से आलमबाग स्थित सवारी माल डिब्बा कारखाना परिसर में यूनियन के शाखा मंत्री अरविंद सिंह, सहायक मंत्री दिनेश चंद्र ने सफदर हाशमी के चित्र पर माल्यार्पण किया। उत्तर रेलवे सांस्कृतिक संगठन के संयोजक अभिनीत जैन ने कहा कि 12 अप्रैल 1954 को जन्मे सफदर हाशमी ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के सेंट स्टीफंस कॉलेज से इंग्लिश लिटरेचर में एमए किया। सूचना अधिकारी बने लेकिन मेहनतकशों की आवाज उठाने के लिए उन्होंने नौकरी से इस्तीफा दे दिया। संस्कृतिकर्मी अनिल मिश्रा गुरुजी के लेखन व निर्देशन से सजे नुक्कड़ नाटक 'और करो तुम जय–जयकार' पर अमुक ग्रुप के नाट्यकर्मियों ने प्रभावी प्रस्तुति दी। इसमें संसद व्यवस्था, शासन–तंत्र, सामाजिक अव्यवस्थाओं व कुरीतियों पर कटाक्ष किया गया। नाटक में इश्तिा वाणेय, रामचरन, दानिश, अर्चना जैन, कंवलजीत, अरविंद सिंह, अभिषेक पाल ने अभिनय किया है। संगीत निर्देशन संतोष विश्वकर्मा का रहा। इस मौके पर अनिल किशोर शुक्ल, मनोज मिश्र, राकेश राय, राजवीर रतन, अनूप मिश्र, धरमश्री, अभिषेक राजपूत, सेक्शन इंजीनियर जितेंद्र कुमार व रीता आदि मौजूद रहे।

गरीबों के जनधन खातों में धन ही धन, जनधन खातों में सर्वाधिक पैसा पूर्वी यूपी के जिलों में

लखनऊ, (संवाददाता)। देश के गरीबों का जीरो बैलेंस पर राष्ट्रीयकृत बैंकों और पोस्ट ऑफिस में खाता खोलने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री जन धन योजना की शुरुआत की गई थी। देशभर के कुल खातों में 18 फीसदी हिस्सेदारी के साथ यूपी पहले स्थान पर है। इसमें भी सबसे ज्यादा रकम पूर्वी यूपी के जिलों में जमा है। अब खास बात यह है कि आकांक्षात्मक जिलों में शामिल गोंडा जनधन खातों में जमा के मामले में प्रदेश में पहले स्थान पर है। यहां के जनधन खातों में 2800 करोड़ रुपये जमा हैं। जबकि इससे बड़े जिले प्रयागराज, जौनपुर और प्रतापगढ़ क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे नंबर पर हैं। कानपुर, लखनऊ, नोएडा, गाजियाबाद जैसे और बड़े शहर तो टॉप टेन में भी नहीं हैं। वहीं प्रदेश में जमा कुल रकम की बात करें तो यहां के 9.57 करोड़ जनधन खातों में 50 हजार करोड़ रुपये हैं। इनमें से भी 2.33 करोड़ खाते निष्क्रिय हैं और 76 लाख खातों में एक भी पैसा नहीं है। प्रदेश में 12 जिले ऐसे हैं, जहां जनधन खातों में जमा रकम 1,000 करोड़ रुपये से ज्यादा है। इनमें अयोध्या, आजमगढ़, बरेली, फतेहपुर, गाजीपुर, गोंडा, हरदोई, जालौन, प्रतापगढ़, प्रयागराज, सुल्तानपुर और वाराणसी हैं। जनधन खातों में जमा के मामले में सबसे तेज छलांग अयोध्या ने लगाई है। यहां जनधन खातों में 1,091 करोड़ रुपये जमा हैं, जबकि तीन साल पहले ये रकम लगभग 700 करोड़ रुपये थी। इसका अर्थ ये हुआ कि निम्न व गरीब तबके के पास पैसे की आमद बढ़ी है। इसलिए उनके बैंक खातों में लगभग 400 करोड़ रुपये ज्यादा जमा हुए हैं। केवल तीन महीने में प्रदेश के जनधन खातों में लगभग 900 करोड़ रुपये जमा हुए हैं। जो जनधन खाते वर्ष 2014 में खोले गए थे, उनमें से 1.66 करोड़ खातों की केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) प्रक्रिया शुरू हो गई है।

बाराबंकी में बस व एंबुलेंस की भिड़ंत, मरीज समेत छह घायल और चालक गंभीर

लखनऊ, (संवाददाता)। बाराबंकी के रामनगर कोतवाली क्षेत्र में बृहस्पतिवार सुबह बहराइच से मरीज लेकर लखनऊ जा रही एंबुलेंस और रोडवेज बस की टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में मरीज समेत एंबुलेंस चालक और अन्य चार लोग घायल हो गए। सभी घायलों को प्राथमिक इलाज के लिए सीएचसी रामनगर ले जाया गया, जहां से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। यह हादसा बाराबंकी–बहराइच हाईवे पर रानीबाजार के पास हुआ। जानकारी के अनुसार, बहराइच निवासी 23 वर्षीय मरीज दिव्यांशु को मेडिकल कॉलेज लखनऊ रेफर किया गया था। एंबुलेंस चालक तुलसीराम और एमटी रामदेव मरीज को लेकर जा रहे थे तभी यह टक्कर हुई। दुर्घटना में एंबुलेंस चालक तुलसीराम गंभीर रूप से घायल हो गए। साथ ही, एंबुलेंस में मौजूद रामदेव, मरीज दिव्यांशु और उनके माता–पिता ओमप्रकाश व पूनम को भी चोटें आई हैं। सभी घायलों का इलाज जिला अस्पताल में जारी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दो दिन के लिए होटल में लिया था कमरा नंबर 109, उस रात जब लौटे तो हाथ में था ये सामान

लखनऊ, (संवाददाता)। पांच लोगों की हत्या करने वाले आरोपी अरशद व उसके पिता उमर बदर ने 30 दिसंबर की शाम करीब 4रू30 बजे नाका के चारबाग स्थित होटल शरणजीत पहुंचे थे। दोनों ने दो दिन के लिए होटल का कमरा नंबर 109 बुक किया था और लखनऊ घूमने की बात कही थी। होटल मैनेजर जब्बार उर्फ लंबू ने बताया कि 30 दिसंबर को सभी लोग घूमने गए थे, लेकिन कुछ देर के बाद लौट आए थे। होटल के पास में बने एक होटल से पिता–पुत्र खाना लेकर आए और सभी खाने के बाद सो गए। 31 दिसंबर की दोपहर वह लोग फिर से घूमने की बात कहकर निकले और रात 9रू30 बजे लौटे। पिता–पुत्र ने होटल वालों को बताया कि वह लोग चिड़ियाघर और कई जगह गए थे। रात को अरशद पास के ही होटल से खाना लाया और बदर शराब लेकर आया। इसके बाद कमरे में क्या हुआ, यह किसी को नहीं पता। होटल मैनेजर के मुताबिक बुधवार सुबह करीब 4रू30 बजे पिता–पुत्र होटल से बिना कुछ बताए निकले थे। करीब सुबह सात बजे अरशद को लेकर पुलिस होटल पहुंची तो घटना की जानकारी हुई। सोमवार रात कमरे के अंदर से न कुछ सुनाई दिया और न ही स्टाफ को आभास हुआ कि कमरे में पांच लोगों की हत्या की गई है। होटल शरणजीत में मंगलवार रात करीब 12 लोग ठहरे थे। सुबह सात बजे पुलिस धड़धड़ाते हुए होटल पहुंची तो यहां ठहरे लोग सहम गए। कुछ तो सामान लेकर खिसक गए तो कुछ इधर–उधर चले गए। कुछ ही देर के बाद पुलिस ने होटल के रास्ते को रस्सा लगाकर बंद कर दिया। समय गुजरा तो सामान लेने लोग होटल पहुंच तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया। फॉरेंसिक की टीम ने जांच की। दोपहर 11 बजे के आसपास लोगों को कमरे से सामान निकालने की अनुमति दी गई। कुछ ही देर में पूरा होटल खाली हो गया। पुलिस ने कमरा नंबर 109 को सील कर दिया। होटल शरणजीत होटल चारबाग रेलवे स्टेशन के सामने एक संकरी गली में है। यहां 24 से अधिक खाने–पीने के होटल व दुकानें हैं।

फ्लाईओवर पर टकराईं बाइकें, युवक की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। महानगर स्थित विवेकानंद अस्पताल के सामने बने फ्लाईओवर पर मंगलवार देर रात दो बाइक की आमने–सामने टकराने से अलीगंज शेखुपूर कॉलोनी निवासी आदित्य सिंह (26) की मौत हो गई। दूसरी बाइक पर सवार दुबग्गा निवासी खालिद घायल हो गए। इंस्पेक्टर महानगर अखिलेश कुमार मिश्र ने बताया कि हादसा रात करीब 12 बजे हुआ था। आदित्य व खालिद की बाइकें आमने–सामने टकराई थीं। पुलिस ने गंभीर घायल आदित्य को ट्रामा सेंटर, खालिद को विवेकानंद अस्पताल में भर्ती कराया था। ट्रामा सेंटर में डॉक्टरों ने आदित्य का मृत घोषित कर दिया था। खालिद को बलरामपुर अस्पताल भेजा गया। आदित्य व खालिद से मोबाइल के मदद से परिजनों को सूचना दी गई। बाद में खालिद को परिजन दुबग्गा स्थित एक निजी अस्पताल ले गए।

डंपर की टक्कर से डीएम के अर्दली की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। मड़ियांव के फैजुउल्लागंज इलाके में रहने वाले डीएम के अर्दली धर्मराम (57) को बुधवार सुबह गाजीपुर बलराम चौराहे के पास डंपर ने टक्कर मार दी। इससे वह बुरी तरह घायल हो गए। बहनोई फून ने बताया कि उत्तराखंड के पिथौरागढ़ के रहने वाले धर्मराम बेटे विजय संग रहते थे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।